RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:175 ता. 30 दिसम्बर 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कम दृश्यता के कारण 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय व घरेलू उड़ानों में देरी

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से शहर में, खासकर सुबह के वक्त घना कोहरा छाया हुआ है। शुक्रवार की सुबह भी राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में कोहरे की परत छाई रही और दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दिन में दृश्यता में सुधार होने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से चार डिग्री अधिक है। आईएमडी ने कहा,पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कई हिस्सों और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में गुरुवार रात से शनिवार (30 दिसंबर) सुबह तक और कुछ हिस्सों में रात/सुबह के दौरान घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति जारी रहने की संभावना है। आईएमडी कोहरे की तीव्रता को चार प्रकारों में वर्गीकृत करता है - उथला, मध्यम, घना और बहुत घना कोहरा। दृश्यता क्रमशः 999 मीटर से 500 मीटर, 499 मीटर से 200 मीटर, 199 मीटर से 50 मीटर और 50 मीटर से कम तक होती है। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली के पालम स्टेशन पर 150 मीटर और सफदरजंग स्टेशन पर 200 मीटर दृश्यता दर्ज की गई। जैसे-जैसे दिन चढ़ेगा, कोहरा धीरे-धीरे छंटने का अनुमान है, इससे दोपहर तक वातावरण साफ हो जाएगा। उड़ान और ट्रेन कार्यक्रम भी प्रभावित हो रहे हैं, कई उड़ानों में देरी हो रही है और कुछ को संभवतः रद्द करना पड़ रहा है। कम दृश्यता के कारण 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों के आगमन और प्रस्थान में देरी का सामना करना पड़ा। यात्रियों के लिए कोहरे के कारण उत्पन्न चुनौती में, दिल्ली क्षेत्र में आने वाली कई ट्रेनों को भी देरी का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार क्षेत्र में पीएम2.5 का स्तर 473 पर गंभीर श्रेणी में बना हुआ है और पीएम10 447 पर पहुंच गया है, और सीओ 107 तक गिर गया है, जिसे मध्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे टी3 पर पीएम2.5 का स्तर 425 और पीएम10 का स्तर 405 देखा गया, जो दोनों गंभीर श्रेणी में आते हैं। सीओ का स्तर मध्यम रेटिंग बनाए रखते हुए 104 दर्ज किया गया।

जनवरी में राम मंदिर, फरवरी में अबू धाबी मंदिर; शशि थरूर ने बताया कैसा होगा 24 का माहौल

विपक्ष इस बात पर बंटा हुआ है कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना है या नहीं। पीएम मोदी ने अबू धाबी में BAPS हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

नई दिल्ली। 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर का उद्घाटन और फिर अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन का कार्यक्रम 2024 के चुनाव के लिए मंच तैयार करेगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि इसके तुरंत बाद चुनाव की तारीखें घोषित की जाएंगी। थरूर ने सवाल किया कि 2024 के लिए संदेश स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी एक हिंदू हृदय सम्राट हैं। ऐसे में अच्छे दिनों का क्या हुआ?

आपको यह भी बता दें कि विपक्ष इस बात पर बंटा हुआ है कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना है या नहीं। पीएम मोदी ने अबू धाबी में ब्क्क हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। यह संयुक्त अरब अमीरात में सबसे बड़ा हिंदू मंदिर होगा।

शशि थरूर ने कहा, 2019 में विनाशकारी नोटबंदी के बाद पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले ने नरेंद्र मोदी को आम चुनाव को राष्ट्रीय सुरक्षा चुनाव में बदलने का मौका दिया। अब 2024 में यह स्पष्ट है कि भाजपा अब अपने मूल स्वरूप में वापस आ जाएगी। नरेंद्र मोदी को हिंदू हृदय सम्राट के रूप में पेश किया जाएगा।

कांग्रेस सांसद ने कहा, 2024 का चुनाव हिंदुत्व बनाम लोकप्रिय कल्याण का होता जा रहा है। लोग सवाल उठाते हैं कि अच्छे दिनों का क्या हुआ? प्रति

पीएम मोदी ने अबू धाबी में BAPS हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। यह संयुक्त अरब अमीरात में सबसे बड़ा हिंदू मंदिर होगा।

वर्ष 2 करोड़ नौकरियों का क्या हुआ? आर्थिक विकास का क्या हुआ जिससे सामाजिक-आर्थिक सीढ़ी के निचले पायदानों को फायदा होगा? हर भारतीय के बैंक खाते में खर्च योग्य आय को जेब में डालने का क्या हुआ?÷

राम मंदिर आमंत्रण पर असमंजस में कांग्रेस

मंदिर के ट्रस्ट ने कहा कि उसने इस भव्य आयोजन में कई मशहूर हस्तियों को आमंत्रित किया है। इस कार्यक्रम में सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। इस निमंत्रण से कांग्रेस असमंजस में है क्योंकि पार्टी ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है, जबकि इंडिया गठबंधन के कई सहयोगी नेता इस कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता वी मुरलीधरन ने इस मुद्दे पर कांग्रेस के अनिश्चित रुख की आलोचना की और कहा कि केरल में कांग्रेस नेता चाहते हैं कि नेतृत्व इस कार्यक्रम में शामिल न हो।

उन्होंने कहा, जब इफ्तार में भाग लेने या फिलिस्तीन के पक्ष में रैली आयोजित करने की बात आती है तो कांग्रेस को कोई समस्या नहीं होती है। हमने कांग्रेस नेताओं को हिंदू भक्त होने का दिखावा करते हुए भी देखा है। चुनावों में प्रचार करते हैं लेकिन जब मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेने की बात आती है तो उन्हें संदेह होता है। कांग्रेस के सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अगर उन्हें आमंत्रित किया गया तो वह राम मंदिर कार्यक्रम में शामिल होंगे।

महाराष्ट्र में 23 सीटों पर लड़ेगी शिवसेना, कांग्रेस करेगी जीरो से शुरुआत

संजय राउत का बड़ा दावा

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर दावेदारी हो रही है। महाराष्ट्र में इसकी बानगी देखने को मिल रही है। कांग्रेस और शिवसेना के बीच बयानों का दौर जारी है। कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने कल कहा था कि अब शिवसेना काफी कमजोर हो चुकी है। 23 सीटें देने का सवाल ही नहीं उठता है। वहीं, संजय राउत ने फिर अपनी पार्टी की दावेदारी को दोहराया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी शिवसेना है। कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। हमारी बात कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ अच्छे रूप से चल रही है। संजय राउत ने कहा, हमने कहा कि हम महाराष्ट्र में लोकसभा के लिए हमेशा 23 सीटों पर लड़ते आए हैं। हमने पहले तय किया था कि जो जीती हुई सीटें हैं उन पर बाद में बात होगी। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में कोई सीट नहीं जीती है। कांग्रेस महाराष्ट्र में जीरो से शुरूआत करेगी लेकिन कांग्रेस महा विकास अघाड़ी में हमारा महत्वपूर्ण साथी है।

उन्होंने आगे कहा, महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना मिलकर काम करेंगे और इससे हमें, ह्ष्टक्क या कांग्रेस हाईकमान को कोई तकलीफ नहीं है।

इससे पहले कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहाथा कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे के गुट को एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पार्टी के

विभाजन के कारण उसके पास पर्याप्त उम्मीदवारों की कमी है। बैठक में कांग्रेस प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी में विभाजन के बाद, सबसे पुरानी पार्टी राज्य में स्थिर वोट शेयर वाली एकमात्र पार्टी है। पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा था कि हम 23 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, क्योंकि हमेशा ही इतनी सीटों पर लड़ते रहे हैं

नए साल तक राहत नहीं; दिल्ली-एनसीआर समेत इन इलाकों में घना कोहरा

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब और यूपी समेत दूसरे इलाके घने कोहरे की चपेट में हैं। गुरुवार से कोहरे का प्रकोप और भी ज्यादा बढ़ गया है जिससे दृश्यता काफी घट गई है। ऐसे में लोगों को यातायात में परेशानियां उठानी पड़ रही हैं और कई ट्रेनें व हवाई जहाज भी देरी का सामना कर रहे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि 30 दिसंबर तक घना कोहरा छाया रहने वाला है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ समेत कई दूसरे इलाकों में भी कड़ाके की ठंड जारी रहेगी। ऐसे में लोगों को सर्दी से बचाव के उपाय जारी करने की अपील की गई है। आईएमडी की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया कि साल के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर को कोहरे से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, इस दौरान कोहरा पूरी तरह से गायब नहीं होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, नए साल (1 जनवरी, 2024) पर भी देश के कई हिस्से घने कोहरे की चपेट में रहेंगे। साथ ही ठंड भी अपना असर बरकरार रखेगी। इसलिए लोगों को न्यू ईयर सेलिब्रेट करते वक्त इसका ध्यान रखने की

सलाह दी गई है। बता दें कि बर्फीली ठंड के बीच यूपी के गौतम बौद्ध नगर जिले (नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत) में स्कूल बंद हैं। जिला प्रशासन ने 29 और 30 दिसंबर को छात्रों के लिए स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। हालांकि, टीचर्स और बाकी कर्मचारी काम जारी रखेंगे।

गाड़ी चलाते समय फॉग लाइट रखें ऑन

मौसम विभाग ने घने कोहरे के लिए परामर्श जारी कर चालकों को फॉग लाइट का इस्तेमाल करने के लिए कहा है। साथ ही यात्रियों को विमानन, रेलवे और राज्य परिवहन की ताजा लिस्ट को लेकर अपडेट रहने के लिए कहा है। IMD के मुताबिक, गाड़ी चलाते समय या परिवहन के किसी भी साधन का उपयोग करते समय सावधानी बरतें। दृश्यता कम होने से रेल सेवाएं भी प्रभावित हुईं और गुरुवार को दिल्ली जाने वाली 22 ट्रेनें देरी से चलीं। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर भारत में घने कोहरे के चलते आज 11 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। माना जा रहा है कि इसे लेकर रेलवे की ओर से अधिक अपडेट जारी किया जा सकता है।

31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच बारिश के आसार

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड घूमने गए यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में कहा गया है कि 30-31 दिसंबर को इन तीनों ही राज्यों में बर्फबारी होगी। ताजा पश्चिमी दबाव के चलते यहां हल्की बरसात भी हो सकती है। इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और चंडीगढ़ में भी 31 दिसंबर को बारिश होने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी में हवाओं के दबाव के चलते बारिश का यह सिलसिला 2 जनवरी तक जारी रह सकता है। इसके अलावा, तमिलनाडु और केरल के भी कई हिस्सों में 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच बदरा बरसने वाले हैं। इस तरह बारिश नए साल के जश्न में खलल डालने वाली है।

पीएम मोदी का वेलफेयरिज्म मॉडल एक केस स्टडी है : शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वेलफेयरिज्म मॉडल एक केस स्टडी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईएम के छात्रों से चर्चा के दौरान यह बात कही। वह विकसित भारत 2047 छात्र समुदाय के साथ बातचीत कर रहे थे। इस चर्चा का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत में शैक्षिक और कौशल विकास परिदृश्य को आकार देना है। छात्रों के साथ चर्चा सरकार के इस दीर्घकालिक दृष्टिकोण और इसकी कई पहलों के इर्द-गिर्द घूमती रही, जो शैक्षिक परिदृश्य को राष्ट्र के समग्र व्यापक लक्ष्यों को केंद्र में रखते हुए हुई। इस अवसर पर प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन दर्शन, समाज के निचले पायदान पर मौजूद लोगों के उत्थान के दृष्टिकोण, सबका साथ-सबका विकास मॉडल, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने और भारतीयता से गौरव, प्रेरणा और आत्मविश्वास प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री का वेलफेयरिज्म मॉडल एक केस स्टडी है। प्रधान ने संस्थान के छात्रों और संकाय सदस्यों को इसकी सूक्ष्मता से जांच करने और जम्मू और कश्मीर के अद्वितीय प्रस्तावों और संभावनाओं पर दीर्घकालिक केस स्टडी के साथ आने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने अगले 25 वर्षों के महत्व पर भी जोर दिया जब सबका प्रयास (सभी की भागीदारी) के साथ, विकसित भारत @2047 का लक्ष्य साकार होगा। छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए, उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहल का उल्लेख किया। जिसे सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के एक हिस्से के रूप में शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए योजना बना रही है और लागू कर रही है। बातचीत के दौरान, प्रधान ने शिक्षा के समग्र विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व का भी उल्लेख किया। अपनी यात्रा के दौरान, धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईएम जम्मू के जगती परिसर के निर्माण की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया, जिसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और भविष्य के नेताओं को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को स्वीकार किया गया। उन्होंने संस्थान में अत्याधुनिक पुस्तकालय का भी दौरा किया और एक व्यापक शिक्षण ईकोसिस्टम प्रदान करने के लिए वहां उपलब्ध उन्नत सुविधाओं की सराहना की।

हिंदुओं के लिए दोहरी खुशखबरी, अयोध्या के बाद खाड़ी देश में भी होगा मंदिर उद्घाटन; पहुंचेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां जारी हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खाड़ी देश में भी विशाल हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। बुधवार को ही उन्होंने BAPS हिंदू मंदिर यानी बोछासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था का न्योता स्वीकार किया है। इस दौरान 7, लोक कल्याण मार्ग पर लंबी बैठक चली।

पीएम मोदी 14 फरवरी 2024 को अबुधाबी में BAPS हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने वाले हैं। BAPS की तरफ से जारी बयान के अनुसार, स्वामी ईश्वरचरणदास और स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने पीएम मोदी को आमंत्रित किया। बैठक के दौरान संस्था के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स भी मौजूद रहे। स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने पीएम मोदी को मंदिर निर्माण से जुड़ी जानकारियां दी।

बैठक के दौरान पीएम मोदी ने महंत स्वामी

महाराज के बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने BAPS हिंदू मंदिर प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों का भी धन्यवाद किया। अबुधाबी में BAPS हिंदू मंदिर एक पारंपरिक स्थान है, जिसे BAPS स्वामीनारायण संस्था ने बनाया था। पूरी तरह से तैयार होने पर यह मध्य पूर्व का पहला पारंपरिक हिंदू मंदिर होगा। खबर है कि यह मंदिर 55 हजार वर्गमीटर में फैला हुआ है।

बैठक के दौरान ही पीएम मोदी ने आध्यात्मिक विकास को लेकर भी अपने विचार रखे। BAPS ने कहा, व्यस्त होने के बावजूद उन्होंने स्वामी के साथ 20 मिनट से ज्यादा का समय गुजारा और 40 साल से ज्यादा पुराने रिश्ते को याद किया।

राम मंदिर उद्घाटन

भारत में भी 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन होने की तैयारियां चल रही हैं। कार्यक्रम में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई दिग्गज शामिल होंगे। पीएम मोदी शनिवार को भी अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस दौरान वह रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे, दो नई अमृत भारत व छह नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे और अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे।

पीटीआई भाषा के अनुसार, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्याधाम रखा जाएगा। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। उनके बहुत सारे अनुयायी हैं जिनमें विशेष रूप से दलित समुदाय के हैं।

2024 में खतरे में शरद पवार की पावर, बारामती में भी रिस्क; कैसे भतीजा बदल सकता है नतीजा

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति और INDIA गठबंधन में शरद पवार का कद भीष्म पितामह सरीखा है। वह इस गठबंधन के सबसे वरिष्ठ और कद्दावर नेता हैं, लेकिन 2024 के चुनाव में पवार की ही पावर कम होने की आशंका है। 2019 में भाजपा ने 25 में से 23 सीटों पर जीत हासिल की थी और तब उसके साथ लड़ी शिवसेना भी 18 सीटें जीत गई थी। वहीं एनसीपी के खाते में महज 4 सीटें आई थीं, जिनमें से एक बारामती है, जो शरद पवार का गढ़ रही है। फिलहाल यहां से उनकी बेटी सुप्रिया सुले सांसद हैं। तब से अब तक 5 साल बीत गए हैं, लेकिन शरद पवार की एनसीपी के सामने खड़ा संकट कम होने की बजाय बढ़ ही गया है।

बीते 5 सालों में महाराष्ट्र की राजनीति में बहुत फेरबदल हुए हैं और भाजपा के साथ लड़ी शिवसेना अब बंट गई है। एक धड़ा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में INDIA गठबंधन में है तो वहीं बड़ा गुट एकनाथ शिंदे की सरकार में है। वहीं एनसीपी भी बंट गई है और शरद पवार के भतीजे अजित पवार भी डिप्टी सीएम बन चुके हैं। इस तरह INDIA गठबंधन में आधी शिवसेना आई है तो आधी एनसीपी चली

भी गई है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि वोटर किस खेमे की एनसीपी और किस गुट की शिवसेना को चुनाव में पसंद करते हैं।

बारामती में अजित पवार की भी पैठ, भाजपा कह रही उतारेंगे कैंडिडेट

शरद पवार का संकट यह है कि उनके भतीजे 53 में से 30 विधायकों के साथ महाराष्ट्र सरकार का हिस्सा हैं। उनका खुद बारामती में भी बड़ा असर रहा है। ऐसे में टूट के चलते एनसीपी के गढ़ वाली यह सीट भी खतरे में है और संभव है कि शरद पवार का वर्चस्व यहां भी टूट जाए। भाजपा ने यहां उम्मीदवार उतारने की बात कही है, जो यहां हमेशा से मुख्य प्रतिद्वंद्वी रही है। ऐसे में यदि शरद पवार की पार्टी के खिलाफ खुद भतीजे भाजपा कैंडिडेट के समर्थन में उतर आए तो मुश्किल होगी। महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्रों में भाजपा का अच्छा जनाधार रहा है, जबकि एनसीपी ग्रामीण इलाकों की पार्टी कही जाती रही है। इस बार अजित पवार खेमा भाजपा की मदद ग्रामीण क्षेत्रों में भी कर सकता है।

ग्रामीण इलाकों में क्या होगा, शरद पवार रहे हैं मजबूत?

हालांकि शरद पवार लगातार ग्रामीण इलाकों का दौरा कर रहे हैं और किसानों पर संकट की बात दोहरा रहे हैं। ऐसे में यह देखना रोचक होगा कि एनसीपी की ताकत 2019 के मुकाबले कितनी रहती है। खैर, संकट भाजपा और एकनाथ शिंदे के आगे अधिक होगा। एक तरफ भाजपा अपनी 23 सीटों की जीत को दोहराना चाहेगी तो वहीं एकनाथ शिंदे गुट के लिए यह मुश्किल होगा। एकजुट शिवसेना ने 2019 में 18 सीटें जीती थीं। अब उसमें विभाजन और भावनाएं यदि उद्धव ठाकरे के साथ दिखीं तो फिर एकनाथ शिंदे के लिए मुश्किल होगी। इस तरह महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव एनसीपी, शिवसेना के साथ ही कई नेताओं के भविष्य को भी तय करने वाला इलेक्शन होगा।

पीएम मोदी की हिन्दुवादी छवि और राष्ट्रवाद के तिलिस्म को तोड़ पाएगी कांग्रेस

14 जनवरी से भारत न्याय यात्रा पर निकल रहे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में कुछ माह का समय शेष रह गया है। सियासी दलों ने इसके लिए अपनी-अपनी गोटी सेट करनी शुरु कर दी है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की धुरी कांग्रेस ने भी अब अपने सबसे बड़े नेताओं में से एक पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मैदान में उतारने का ऐलान कर दिया है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के मणिपुर से महाराष्ट्र के मुंबई तक राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा की घोषणा कर दी है।

राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को महाराष्ट्र के मुंबई पहुंचकर संपन्न होगी। राहुल 67 दिन की यात्रा के दौरान 6200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले हैं। कांग्रेस की रणनीति यात्रा के जरिए 14 राज्यों की 355 लोकसभा सीटों को कवर करने की है। मणिपुर टू मुंबई यह भारत न्याय यात्रा नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरेगी।

भारत न्याय यात्रा का जो रूट कांग्रेस ने तैयार किया है, इसमें शामिल राज्यों में फिलहाल कांग्रेस की स्थिति बहुत खराब है। इन 14 राज्यों में लोकसभा की कुल 355 सीटें हैं। मणिपुर में 2, नगालैंड में 1, असम में 14, मेघालय में 2, पश्चिम बंगाल में 42, बिहार में 40, झारखंड में 14, ओडिशा में 21, छत्तीसगढ़ में 11, उत्तरप्रदेश में 80, मध्यप्रदेश में 29, राजस्थान में 25, गुजरात में 26 और महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। इन राज्यों में कांग्रेस की हालत पतली है। जिस मणिपुर से कांग्रेस की यात्रा शुरू होनी है, 2019 के चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। नगालैंड में भी पार्टी शून्य पर सिमट गई थी। वहीं असम की 14 में से कांग्रेस को तीन सीटों पर जीत मिली थी।

कांग्रेस के लिए हिंदी बेल्ट, खासकर यूपी और बिहार जैसे राज्यों में मंडल बनाम कमंडल यानी राममंदिर की लहर की काट तलाशने के लिए चुनौती होगी। भारत न्याय यात्रा नाम को इस बात का इशारा माना जा रहा है कि कांग्रेस का जोर जातीय, खासकर ओबीसी पॉलिटिक्स को धार देने की रणनीति पर होगा। जातीय जनगणना की मांग संसद से लेकर राज्यों के चुनाव तक, हर संभावित मंच पर कांग्रेस उठाती रही है।

सामाजिक न्याय यूपी और बिहार की राजनीति में एक बड़ा फैक्टर रहा है। यूपी में बीजेपी की गठबंधन सहयोगी सुभासपा, अपना दल सोनेलाल और निषाद पार्टी जैसे दलों के साथ ही बिहार में राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों की सियासत का आधार भी सामाजिक न्याय ही है। कांग्रेस की रणनीति अब कमंडल की काट के लिए जातीय वोट बैंक में आधार तलाशने की हो सकती है। बीजेपी ने तीन राज्यों की सरकार के द्वारा जातीय समीकरणों का जो गुणा-गणित सेट किया है, उस नई सोशल इंजीनियरिंग की काट भी कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। बीजेपी ने मध्य प्रदेश में सरकार की कमान मोहन यादव को सौंपकर यूपी और बिहार के यादव मतदाताओं को भी एक संदेश दे दिया है, वहीं भजनलाल शर्मा को सीएम बनाकर ब्राह्मणों और विष्णुदेव साय के जरिए आदिवासियों को संदेश दे दिया हैं। इसके बाद कांग्रेस के लिए चुनौती और भी कड़ी मानी जा रही है।

लद्दाख में 29 सड़कों के निर्माण के लिए 1100 करोड़ आवंटित : गडकरी

नई दिल्ली । सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में यातायात को सुगम बनाने के लिए वहां सड़कों का जाल बिछाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त कर कहा कि राज्य के लिए 29 सड़क परियोजनाओं के निर्माण के लिए धनराशि आवंटित कर दी है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि लद्दाख में राज्य राजमार्ग, प्रमुख और अन्य जिला सड़कों सहित 29 सड़क परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा और इसके लिए 1170.16 करोड़ रुपए आवंटित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्य में सड़कों को जोड़ने के लिए पुलों के निर्माण को भी महत्व दिया गया है और इसके तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत और पुलों का निर्माण भी किया जाएगा और इस काम के लिए 181.71 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का सबसे बड़ा केंद्र शासित प्रदेश और दूसरा सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य है। उनका कहना था कि लद्दाख इन अनुमोदित पहलों के माध्यम से अपने दूरदराज के गांवों तक बेहतर कनेक्टिविटी का साक्षी बनेगा। श्री गडकरी ने कहा कि इस वृद्धि से विशेष रूप से कृषि और पर्यटन में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशा है, जिससे लद्दाख के समग्र ढांचागत विकास में योगदान मिलेगा।

नए साल पर कुल्लू-मनाली में 90 फीसदी होटल बुक, 1 लाख टूरिस्ट आने की उम्मीद

कुल्लू । हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली में 90 फीसदी होटल बुक हो गए हैं। यहां एक लाख के लगभग पर्यटकों के आने की संभावना बनी हुई है। होटल मा ?लिकों ने पर्यटकों सुविधा के लिए सभी तरह के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि कुल्लू और मनाली में नए साल के जश्न के लिए लाखों टूरिस्ट आने की उम्मीद जगी है। जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुनयैना शर्मा ने बताया कि बीते सप्ताह क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए कुल्लू में डेढ़ लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। कुल्लू-मनाली में पर्यटकों में नए साल के लिए भारी उत्साह दिख रहा है और हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह ग्रीन टैक्स बैरियर से 12000 से अधिक पर्यटक वाहन गुजरे हैं। इसमें लोकल टैक्सियां और वोल्वो बसें शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि कुल्लू मनाली में 90 प्र ?तिशत से अधिक ऑक्युपेंसी न्यू ईयर के लिए एडवांस बुक हुई है। ऐसे में पिछली बार से इस बार ज्यादा संख्या में टूरिस्ट कुल्लू मनाली पहुंच रहे हैं। यहां गौरतलब है कि अटल टनल पर 24 और 25 दिसंबर को 40 हजार से अधिक टूरिस्ट वाहनों की आवाजाही दर्ज हुई थी। मनाली में न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर खासा क्रेज है। ऐसे में हर साल यहां नए साल का जश्न मनाने के लिए सैलानी पहुंचते हैं। इतनी भीड़ होती है कि कई बार तो देखा गया है कि टूरिस्ट की रात गाड़ी में ही कटी है। शहर से 15 किमी दूर के होटल भी फुल रहते हैं। हिमाचल में नए साल पर बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विभाग ने 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। ऐसे में बर्फबारी की उम्मीद से भी सैलानी पहुंच रहे हैं। साथ ही लंबा सप्ताहांत भी एक वजह बताई जा रही है।

रामलला के दर्शन की चाहत लेकर मुंबई से अयोध्या के लिए पैदल निकल पड़ी मुस्लिम युवती

मुंबई। भगवान श्रीराम किसी एक धर्म या व्यक्ति के नहीं है। वे घट घट में बसते हैं। जो उन्हे आदरभाव से याद करता है वे उसी के हो जाते है। यही राम की खासियत है। कुछ इसी तरह का आदरभाव मुंबई की शबनम के दिल में है। उन्होंने बिना किसी की परवाह किए रामलला के दर्शन करने मुंबई से पैदल ही 1425 किलोमीटर के सफर पर निकल पड़ी हैं। उनकी भक्ति की राह में उसका मुस्लिम होना रोड़े नहीं बन सका है। फिलहाल शबनम रोजाना 25-30 किलोमीटर का सफर तय कर मध्य प्रदेश के सेंधवा पहुंच चुकी है। शबनम ने 21 दिसंबर को अपनी यात्रा शुरू की थी। उसके साथ सहयोगी रमन राज शर्मा व विनीत पांडे भी हैं, जो साथ-साथ पैदल चल रहे हैं। शबनम की यात्रा को जो चीज अद्वितीय बनाती है, वह उसकी मुस्लिम पहचान के बावजूद भगवान राम के प्रति उसकी अटूट भक्ति है। शबनम गर्व से कहती हैं कि राम की पूजा करने के लिए किसी को हिंदू होने की आवश्यकता नहीं है, एक अच्छा इंसान होना मायने रखता है। फिलहाल वह करीब आधी यात्रा पूरी कर चुकी हैं। अयोध्या यात्रा के पीछे की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर शबनम कहती हैं, भगवान राम सभी के हैं, चाहे उनकी जाति या धर्म कुछ भी हो। शबनम ने कहा कि उनका लक्ष्य इस गलत धारणा को चुनौती देना भी है कि केवल लड़के ही ऐसी कठिन यात्राएं कर सकते हैं। शबनम की इस नेक यात्रा में पुलिस ने न केवल उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की है बल्कि उसके भोजन और आवास की व्यवस्था करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लंबी तीर्थयात्रा से होने वाली थकान के बावजूद, तीनों युवाओं का कहना है कि राम के प्रति उनकी भक्ति उन्हें प्रेरित करती है। ये तीनों पहले से ही सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं और उनसे मिलने वाले कई लोग उनकी कहानी और तस्वीरें साझा कर रहे हैं। शबनम की इस यात्रा में बाधाएं भी आईं। महाराष्ट्र में संवेदनशील इलाकों से गुजरते समय पुलिस ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और उन्हें कुछ परेशानी भरी स्थितियों से बाहर निकालने में भी मदद की। सोशल मीडिया पर कुछ घृणित टिप्पणियों के बावजूद, शबनम अपनी यात्रा के प्रति ना सिर्फ अटल और अविचल हैं बल्कि अयोध्या पहुंचने को लेकर उत्साहित हैं।

नए साल के पहले सप्ताह में लैग्रेंज पॉइंट पर उतरेगा आदित्य एल1, इसरो प्रमुख ने बताया सौर मिशन

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि सौर मिशन आदित्य एल1 6 जनवरी को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज पॉइंट 1 (एल1) पर पहुंचेगा। यहां से स्पेस शिप बिना किसी बाधा के सूर्य का अध्ययन करेगी। यह मिशन इसी साल सितंबर में शुरू किया गया था। आईआईटी बंबई के एनुअल साइंस और टेक्नॉलजी प्रोग्राम 'टेकफेस्ट 2023' में बतौर गेस्ट पहुंचे इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा, आदित्य एल1 अब करीब-करीब वहां पहुंच चुका है। आदित्य एल1 6 जनवरी को शाम 4 बजे लैग्रेंज पॉइंट पर पहुंच जाएगा। हम आदित्य एल1 के इंजन को बहुत नियंत्रित तरीके से ऑपरेट करेंगे, ताकि वह हेलो ऑर्बिट नामक कक्षा में प्रवेश कर सके।'बता दें कि 'लैग्रेंज पॉइंट' वह क्षेत्र है जहां पृथ्वी और सूर्य के बीच गुरुत्वाकर्षण निष्क्रिय हो जाएगा। सोमनाथ ने कहा कि गुरुत्वाकर्षण पूरी तरह बेअसर होना संभव नहीं है, क्योंकि चंद्रमा, मंगल, शुक्र जैसे अन्य पिंड भी हैं। उन्होंने कहा कि सभी छह पेलोड का परीक्षण किया जा चुका है और वे अच्छे से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी से बहुत अच्छी जानकारी मिल रही है। भारत के चंद्रयान-3 के बारे में सोमनाथ ने कहा कि डेटा एकत्र करने में अपने योगदान के 14 दिनों के बाद प्रज्ञान रोवर चंद्रमा की सतह पर हमेशा के लिए खत्म हो चुका है। हम उम्मीद कर रहे थे कि यह फिर से एक्टिव हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

नए साल में लोगों को यह तोहफा देने को तैयार मोदी सरकार

नई दिल्ली । साल 2024 में लोकसभा चुनाव हैं। इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार जनता को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ी राहत देने की तैयारी में है। मोदी सरकार ने नए साल के मौके पर पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती करने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी हो सकती है, वित्त मंत्रालय इस संबंध में अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी जा रही है, जिससे भारत में ईंधन की कीमतें कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की योजना बना रहा है। बताया जा रहा हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी हो सकती है। इसके पहले करीब दो साल पहले केंद्र सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 8 रुपये और डीजल की कीमत में 6 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.71 रुपये जबकि डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर है। फिलहाल महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सहित देश के कई शहरों में ईंधन की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर के आसपास हैं।

पूर्व सांसद जयाप्रदा पर कसा कानूनी शिकंजा

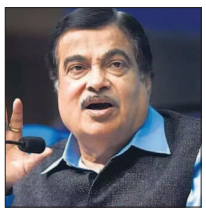

रामपुर । रामपुर से पूर्व सांसद जया प्रदा पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। दो मामलों में वारंट के बाद भी कोर्ट में हाजिर न होने पर उनकी गिरफ्तारी को पुलिस ने जयाप्रदा के दिल्ली और मुम्बई के ठिकानों पर छापे मारे। जया प्रदा अभी तक पुलिस के हाथ नहीं आयी हैं। पुलिस 10 जनवरी को उन्हें कोर्ट में पेश करना चुनौती है। जया प्रदा रामपुर सीट से लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा के टिकट से उतरी थीं। उनके खिलाफ स्वार और केमरी थाने में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ था। स्वार में दर्ज मामले में उन पर आचार संहिता लागू होने के बावजूद 19 अप्रैल को नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन करने का आरोप है। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिए थे। मामले की सुनवाई रामपुर एमपी- एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही है। इन मामलों में पिछली कई तारीखों से जया प्रदा कोर्ट में पेश नहीं हो रही थीं। इस पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए थे। कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को एक टीम का गठन कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट से निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने एक टीम को दिल्ली और मुंबई के लिए रवाना किया।

तेजस्वी को सीएम बनाना चहते हैं लालू यादव, हड़बड़ी देख असहज हुए नीतीश

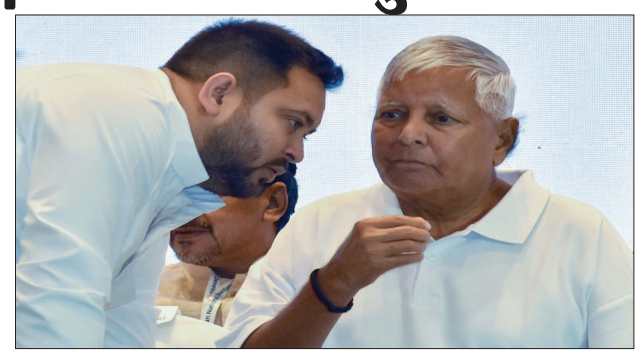

नई दिल्ली (एजेंसी)। लालू प्रसाद यादव द्वारा तेजस्वी यादव को सीएम बनाने की हड़बड़ी देख नीतीश कुमार भी असहज हो गए। हालांकि वह लगातार नीतीश से मिल रहे हैं, लेकिन किंग्रेस की व्यस्तता के कारण गठबंधन इंडिया ने कोई खास काम नहीं किया। अब जबकि 1974 के आंदोलन से निकले समाजवादी नेता और बिहार की राजनीति में बड़े भाई-छोटे भाई के नाम से मशहूर लालू यादव और नीतीश कुमार 74 दिन से एक-दूसरे के घर नहीं गए हैं। 16 अक्टूबर को जेडीयू के सर्वोच्च नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आखिरी बार लालू यादव से मिलने पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास गए थे। उससे पहले कभी लालू सीएम आवास तो कभी नीतीश राबड़ी आवास लगातार आ-जा रहे थे। विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस की व्यस्तता के कारण सितंबर से नवंबर तक इंडिया गठबंधन में सन्नाटा पसरा रहा। नतीजों में कांग्रेस की तगड़ी हार के बाद से दोनों पटना में नहीं मिले हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दोनों अलग-अलग दिल्ली गए और लौटे। मीटिंग में जो मिले बस वही मुलाकात हुई है।

राजनीतिक गलियारों में इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले और उसके बाद नीतीश की 19 दिन लंबी चुप्पी ने कई सवाल पैदा किए हैं। उनमें सबसे बड़ा सवाल है कि क्या आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव के राजनीतिक दबाव से नीतीश कुमार असहज हो रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि 2022 में महागठबंधन में जेडीयू की वापसी के बाद से आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह समेत कई नेता नए साल में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने की जो बात कर रहे थे, वो बात अब साल का अंत आते-आते विवाद का कारण बन गई है। सूत्रों के अनुसार लालू चाहते हैं कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाकर नीतीश राष्ट्रीय राजनीति का रुख करें ताकि उनके बेटे को 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सरकार चलाने का अनुभव हासिल हो सके। हालांकि लालू यादव को लगता है कि नीतीश की परछाई से बाहर आकर तेजस्वी बतौर सीएम अपने काम, अपनी योजनाओं और अपनी नीतियों से खुद को और आरजेडी को मजबूत कर सकेंगे। यह मौका तेजस्वी को देने का वक्त आ गया है। सूत्रों का कहना है कि लालू यह भी चाहते हैं कि जेडीयू का आरजेडी में विलय हो जाए ताकि बिहार में एक ही मजबूत समाजवादी दल रहे। अब नीतीश जेडीयू के विलय पर किसी भी चर्चा से असहज हो जाते हैं। यही वजह है कि लालू से उनकी मुलाकात थम सी गई हैं। जहां तक तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का सवाल है, नीतीश कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि तेजस्वी उनके सब कुछ हैं और उनके उत्तराधिकारी भी। नीतीश ने बहुत पहले ये साफ कर दिया था कि 2025 का विधानसभा चुनाव तेजस्वी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

सिद्धारमैया ने उठाई राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की मांग, कहा विभिन्न मुद्दों का समाधान केवल कांग्रेस के पास

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाए जाने की जमकर वकालत की। उन्होंने इसके पीछे के कारण बताते हुए कहा कि आज देश जिन मुद्दों का सामना कर रहा है, उन्हें केवल कांग्रेस ही हल कर सकती है और इसके लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए।

बात दें कि सिद्धारमैया का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ ही दिन पहले इंडिया अलायंस भीतर कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन का पीएम चेहरा बनाने की वकालत की थी।

बेंगलुरु में कांग्रेस के 139वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा, देश में किसी ने भी भारत जोड़ो यात्रा जैसा नहीं किया है। अब वह (राहुल गांधी) भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा वर्जन लाए हैं- न्याय यात्रा। ऐसा इसलिए क्योंकि देश में सबको न्याय नहीं मिला है। देश में हर किसी को- पिछड़े वर्ग, दलितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को न्याय मिले, इसलिए यह यात्रा राहुल गांधी की ओर से की जा रही है। सिद्धारमैया ने कहा, देश की खातिर, संविधान की रक्षा के लिए, देश की बहुसंस्कृतिवाद और संप्रभुता को बचाने के लिए और सभी को न्याय दिलाने के लिए अपने सभी मतभेदों को भुलाकर हमें एक साथ लड़ना होगा और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाना होगा। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले भी सिद्धारमैया ने राहुल गांधी को पीएम बनाने की वकालत की थी। सॉफ्ट (नरम) हिंदुत्व के मुद्दे पर सिद्धारमैया ने कहा, हिंदुत्व तो हिंदुत्व है। मैं एक हिंदू हूं। हिंदू और हिंदुत्व अलग-अलग हैं। क्या हमने अपने गांवों में राम मंदिर नहीं बनाए? क्या हम राम की पूजा और भजन नहीं करते? मैं भी अपने गांव में भजन करने जाता था। क्या हम हिंदू नहीं हैं? हम भी हिंदू हैं।

कांग्रेस को आंख दिखाकर बोली ममता, बंगाल में टीएमसी ही भाजपा को हरा सकती

कोलकाता (एजेंसी)। जनवरी के पहले सप्ताह में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा कर सकती है। इस बीच पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार कांग्रेस को आंखें दिखाने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को फिर से ममता बनर्जी ने दो टूक कहा है कि बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा को सबक सिखा सकती है। इसका मतलब साफ है कि दीदी ने कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया गठबंधन में शामिल लेफ्ट के नेताओं को भी संदेश दे दिया है कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और इंडिया गठबंधन में भी राज्य में इसकी भूमिका बड़ी रहनी चाहिए। बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस आमने-सामने होते हैं। इसके अलावा वामपंथी दल और कांग्रेस के बीच गठबंधन भी बंगाल में रहता है, जिसका सीधा मुकाबला ममता की पार्टी टीएमसी से होता है। ममता ने कहा इंडिया गठबंधन पूरे देश में होगा। बंगाल में टीएमसी लड़ेगी और बीजेपी को हराएगी। उन्होंने कहा कि याद रखें, बंगाल में केवल टीएमसी ही बीजेपी को सबक सिखा सकती है, कोई अन्य पार्टी नहीं। इसके पहले उन्होंने कहा था कि भाजपा नागरिकता के मुद्दे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए कर रही है। भाजपा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है। पहले, जिलाधिकारी नागरिकता से जुड़े मामलों का फैसला करते थे, लेकिन अब राजनीति के लिए उनसे ये शक्तियां छीन ली गई हैं। ममता ने आरोप लगाया कि नागरिकता का मुद्दा उठाने के पीछे भाजपा का एजेंडा धार्मिक आधार पर लोगों को बांटना है।

नौकरियों की कमी, महंगाई के आरोप पर सामने आया पीएम मोदी का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाधाओं और वैश्विक संकटों के बावजूद, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने नौकरियों की कमी और बढ़ती महंगाई के विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आइए आरोपों को किनारे रखें और तथ्यों पर चर्चा करें। सदी में एक बार आने वाली महामारी और वैश्विक संघर्षों के कारण वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को बाधित करने और यहां तक ??कि दुनिया भर में मंदी का दबाव पैदा करने वाले दो वर्षों के बावजूद, भारत ने उल्लेखनीय फ्लेंसीबिलिटी पर बात करें।

पीएम मोदी ने कहा कि भारी बाधाओं, वैश्विक संकटों, आपूर्ति श्रृंखला टूटने और बुनियादी वस्तुओं की वैश्विक कीमतों पर असर डालने वाले भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, 2014-15 से 2023-24 (नवंबर तक) तक औसत मुद्रास्फीति केवल 5.1 प्रतिशत थी, जबकि पिछले 10 वर्षों के दौरान यह 8.2 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में चार महीने के निचले स्तर 4.8 प्रतिशत पर गिरने के बाद नवंबर में 5.55 प्रतिशत थी। नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति 8.70 प्रतिशत दर्ज की गई।

नौकरियों की कमी के आरोप पर पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को रोजगार मुहैया कराना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। पीएम मोदी ने कहा कि यह सर्वविदित है कि बुनियादी ढांचे में निवेश का विकास और रोजगार पर कई गुना प्रभाव पड़ता है। इसलिए, हमने पूंजी निवेश परिव्यय में लगातार वृद्धि की है। 2023-24 के बजट ने इसे 1.9 रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। 2013-14 में लाख करोड़। मेरा मानना ??है कि आपको अपने पाठकों को बताना चाहिए कि यह व्यय कैसे उत्पादक है और आम आदमी के लिए इतने सारे अवसर पैदा करता है।

ठंड से भारत, पाकिस्तान और चीन के लोगों की हो रही सर्वाधिक मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत,पाकिस्तान और चीन में कड़ाके की ठंड से सैकड़ों लोगों की हर साल जान चली जाती है। विभिन्न शोधों से पता चलता है कि भारत,पाकिस्तान और चीन के लोग में ठंड सहन करने की क्षमता काफी कम है। जिसके कारण होने वाली मौत के आंकड़े डराने वाले हैं। भारत में ऐसे भी स्थान हैं जहां पारा -50 डिग्री तक गिर जाता है। यहां साल 2020 में ठंड से होने वाली मौत का आंकड़ा गर्मी के मौसम में होने वाली मौतों से 76 गुना ज्यादा था । भारत में ठंड का मौसम आमतौर पर दिसंबर से फरवरी तक रहता है। इस दौरान, भारत के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस (32 डिग्री फॉरेन्हाइट) तक चला जाता है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी मौसम का लगभग यही ग्राफ रहता है। तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आते ही लोग ठिठुरने लगते हैं। गर्म कपड़े या गर्म चीजें खाकर खुद को ठंड से बचाने की जद्दोजहद करने लगते हैं लेकिन भारत में कई ऐसे भी स्थान हैं जहां पारा 0 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे चला जाता है। द्रास और सियाचिन ग्लेशियर भारत के सबसे ठंडे क्षेत्र माने जाते हैं। यहां पारा -50 डिग्री तक गिर जाता है। यही नहीं, ये क्षेत्र गर्मी के मौसम में भी ठंडे रहते हैं।

भारत में हर साल ठंड की चपेट में आने से सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। भारतीय मौसम विभाग आईएमडी के अनुसार, साल 2020 में ठंड से होने वाली मौत का आंकड़ा गर्मी के मौसम में होने वाली मौतों से 76 गुना ज्यादा था। इस अनुपात में इस साल ठंड से मौतें 20 सालों में सबसे अधिक हुईं। इस साल 99 दिन तक ठंडी हवाएं चलीं। 1980-2018 तक गर्मी के मौसम की तुलना में सर्दी ने ज्यादा भारतीयों की जान ली। 2017 से 2020 तक शीत लहरों के दिनों की संख्या में लगभग 2।7 गुना बढ़ोतरी हुई। 2017 के बाद से दिनों की संख्या लगातार बढ़ती रही। 2018 में 63 दिन तक शीत लहर का प्रकोप चला था, जो अगले साल 2019 में 1.5 गुना बढ़कर 103 दिन हो गई। 8 जनवरी 2006 को राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत में बीते 20 सालों में सबसे ठंडे दिन के तौर पर रिकॉर्ड किया गया था। तब तेज बर्फीली उत्तर पश्चिमी हवाओं के कारण दिल्ली का तापमान 0।2 पर पहुंच गया था। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 में ठंड की वजह से पूरे देश में 618 मौतें हुईं। साल 2020 में कुल 776 लोगों ने ठंड की वजह से अपनी जान गंवाई। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले दशक में, देशभर में ठंड के कारण सबसे ज्यादा मौत साल 2015 में हुईं थी, तब एक हजार से ज्यादा की जिंदगी चली गई थी।

वहीं चीन इस वक्त भीषण ठंड की मार झेल रहा है। राजधानी बीजिंग में तापमान जीरो से नीचे चला गया है। ठंडी हवाओं के चलते पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में तापमान -40 सेल्सियस पहुंच गया है। बर्फीली हवाओं ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। यहां ठंड ने पिछले 72 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले साल 1951 में चीन में इस तरह की भयंकर ठंड ने लोगों का जीना मुश्किल किया था। अमेरिका के अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में लोग अलग-अलग तरह की ठंड का सामना करते हैं। यहां कुछ राज्यों में सालभर ठंडी का मौसम रहता है। पश्चिमी क्षेत्र कैलिफोर्निया अक्सर गर्म और शुष्क रहता है, लेकिन उच्च पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी देखी जा सकती है। यहां उत्तरी क्षेत्रों में सर्दीयों में बर्फबारी और ठंड आम बात है, यहां गर्मियों के मौसम में भी अधिक ठंडक होती है। अमेरिका के दक्षिणी क्षेत्र फ्लोरिडा गर्म और शुष्क रहता है। न्यूयॉर्क में ठंडी हवा और बर्फबारी सामान्य है, जो सर्दियों में अधिक रहती हैं। जनवरी 1912 में अमेरिका में भीषण शीत लहर चली थी, तब सबसे लंबे समय तक -17.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे पारा दर्ज किया गया था।

दुनिया का एक शहर ऐसा भी है जहां खून जमा देने वाली ठंड पड़ती है, जहां लोग अपनी कार बंद ही नहीं करते हैं। ये शहर है- याकुत्स्क। रूस की लेना नदी (स्र्ठ्ठड्ड ऋद्ब1द्गह्ल) के पास बसा ये शहर राजधानी मॉस्को से 5 हजार किमी पूर्व में स्थित है। यहां न्यूनतम तापमान -83 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड हो चुका है। याकुत्स्क में इंसान का जिंदा रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। यहां हर वक्त बर्फ ही जमी रहती है तो खेती के बारे में तो कोई सोच ही नहीं सकता। इसलिए खाद्य सामग्री बहुत कम ही पहुंच पाती है। मछलियां ही याकुत्स्क शहर के लोगों के लिए खाने का अहम हिस्सा है।

हमास के लड़ाकों ने इजरायली महिलाओं से की दरिंदगी

-फटे कपड़े, जले चेहरे और गुप्तांगों पर हमला, यह है हकीकत

यरुशलम । हमास के लड़ाकों ने इजरायली महिलाओं के साथ दरिंदगी की हद पार कर दी। उनके पकड़े फाड़े गए, चेहरों को दागा गया और गुप्तांगों पर चोंट पहुंचाई गई। हमले के बाद जांच में अब खुलासा हुआ है कि इस दौरान दक्षिणी इजरायल की महिलाओं को यौन हिंसा का सामना करना पड़ा। इसे लेकर 2 महीने लंबी जांच की गई। इसमें पता चला कि हमास के लड़ाकों ने टारगेटेड लोकेन पर क्रूर हत्याएं की और महिलाओं को यौन हमले से गुजरना पड़ा। सेंट्रल इजरायल की रहने वाली और 2 बच्चों की मां गैल अब्दुश पीड़ितों में से एक हैं। वह एक पार्टी से गायब हो गई थीं जहां हमास के आतंकियों ने कत्लेआम मचाया था। घटना को लेकर वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक महिला अपनी दोस्त की तलाश करती दिखी। वीडियो में देखा गया कि अब्दुश सड़क पर पड़ी हुई थीं। उनके कपड़े फटे हुए थे और चेहरे को जलाया गया था। इजरायल के पुलिस अधिकारी वीडियो के आधार पर यह मानते हैं कि गैल अब्दुश का रेप किया गया था। हमास ने इजरायल में घुसकर किस तरह की क्रूरता कि अब्दुश की कहानी उसे सामने रखती है। जांच के दौरान ऐसी करीब 7 जगहें पता चली हैं जहां पर इजरायली महिलाओं और लड़कियों के साथ यौन हिंसा की गई। इनमें से कई को शारीरिक तौर पर गंभीर चोट पहुंचाई गई। अब तक ऐसी 30 महिलाओं और लड़कियों की मिली बॉडी जिनके साथ क्रूरता की गई। सर्वेकर्ता ने इस बारे में जानकारी हासिल करने के लिए मौके पर मौजूद लोगों, डॉक्टर्स, सैनिकों और रेप काउंसलर्स से बातचीत की। रिपोर्ट के मुताबिक, हाईवे रूट नंबर 232 पर गैल अब्दुश के अलावा और भी कई पीड़ित महिलाएं मिलीं जिनके साथ बलात्कार हुआ था। जांचकर्ता को इजरायली सैनिकों की ओर से यह बताया गया कि उन्हें 30 ऐसे महिलाओं और लड़कियों की बॉडी मिली। इनके साथ मारपीट हुई थी, इनके कपड़े फाड़े गए थे और जननांगों के पास भी गहरी चोट के निशान थे। इनके जो वीडियो और फोटो सामने आए वो बहुत ही भयानक स्थिति को बयां करते हैं। हालांकि, हमास इजरायल के ऊपर हमले के दौरान यौन हिंसा से इनकार करता रहा है। उसका कहना है कि इजरायल की ओर झूठी कहानियां बनाई गई हैं जो नाकाफी है।

कोरियन एक्ट्रेस ने किया सुसाइड, सदमें में परिवार

हॉन्ग कॉन्ग । पॉपुलर हॉन्ग कॉन्ग एक्ट्रेस लाई सुक यिन ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने क्रिसमस मनाने के बाद 26 दिसंबर को सुसाइड कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार 47 साल की एक्ट्रेस अपने बेटे के पास अनकॉन्शियस हालत में पाई गईं। कहा जा रहा है कि लाई सुक यिन ने घर पर कोएले जलाए थे। जिसके बाद उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की। एक्ट्रेस को आनन-फानन में जब अस्पताल लेकर गया तो उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस सुसाइड को लेकर छानबीन में जुटी हुई है, और घटना की जांच कर रही है। लाई सुक यिन के परिवार को झटका लगा है, सभी सदमे में हैं। उनका कहना है कि एक्ट्रेस एक दिन पहले उनके घर साथ में क्रिसमस सेलिब्रेट करने के लिए आई थीं। इस दौरान के कुछ मोमेंट्स इंस्टाग्राम पर भी शेयर किए थे, जिसमें उनके साथ पति और दोनों बेटे भी नजर आ रहे थे। इसके अलावा लाई सुक यिन ने अपने पेट डॉग के साथ और क्रिसमस मील की भी एक फोटो शेयर की थी जो फैन्स के बीच काफी पॉपुलर हुई थी। साल 1995 में एक्ट्रेस लाई सुक यिन ने एंटरटेनमेंट की दुनिया में कदम रखा था। वह मिस एशिया ब्यूटी पेजेंट में रनरअप रही थीं। लाई सुक यिन ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और वैपायर एक्स्पर्ट 2 और यंग एंड डेजरस 3 में काम किया। साल 1996 तक इन्होंने फैन्स के बीच अपनी जगह बना ली थी। काफी पॉपुलैरिटी मिल गई थी। इसके बाद साल 1998 में लाई सुक यिन ने शादी कर ली। हॉन्ग कॉन्ग के एक्टर लाऊ से इन्होंने शादी रचाई, जिसके बाद दो बेटे हुए। हालांकि, साल 2006 में दोनों का तलाक हो गया।

सनकी तानाशाह ने सेना को जंग के लिए तैयार रहने को कहा

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना, युद्ध सामग्री उद्योग और परमाणु हथियार क्षेत्र को अमेरिका के अभूतपूर्व टकराव वाले कदमों का मुकाबला करने के लिए युद्ध की तैयारियों में तेजी लाने का आदेश दिया है। सरकारी मीडिया ने कहा कि देश की सत्तारूढ़ पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक में नए साल के लिए नीति निर्देशों पर बोलते हुए, किम ने कहा कि प्योंगयांग साम्राज्यवाद विरोधी स्वतंत्र देशों के साथ रणनीतिक सहयोग का विस्तार करेगा। उत्तर कोरिया दूसरों के बीच रूस के साथ संबंधों का विस्तार कर रहा है, क्योंकि वाशिंगटन ने प्योंगयांग पर यूक्रेन के साथ युद्ध में उपयोग के लिए मास्को को सैन्य उपकरण की आपूर्ति करने का आरोप लगाया है, जबकि रूस उत्तर को अपनी सैन्य क्षमताओं को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है। वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की 8वीं केंद्रीय समिति की 9वीं पूर्ण बैठक मंगलवार को एक साल पूरे होने पर शुरू हुई, जिसके दौरान पृथक उत्तर ने अपने संविधान में परमाणु नीति को स्थापित किया, एक जासूसी उपग्रह लांच किया और एक नया अंतरमहाद्वीपीय प्रक्षेपण किया। इससे पहले पिछले हफ्ते, किम जोंग उन ने कहा था कि उनके देश की नीति उकसाए जाने पर अपने प्रतिद्वंद्वियों पर परमाणु हमला करने में संकोच नहीं करने की है, साथ ही उन्होंने अपने हालिया अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण में शामिल सैनिकों की प्रशंसा की।

भारतीय-कनाडाई व्यक्ति पर हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ और नकदी चुराने का आरोप, गिरफ्तार

टोरंटो । कनाडा के डरहम और ग्रेटर टोरंटो में हाल के महीनों में हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ मामले में 41 वर्षीय भारतीय-कनाडाई व्यक्ति को गिरफ्तार किया। डरहम पुलिस ने कहा कि ये अपराध घृणा या नफरत से प्रेरित नहीं लग रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार हुए 41 वर्षीय भारतीय-कनाडाई व्यक्ति की पहचान ब्रैम्पटन शहर के जगदीश पंढेर के रूप में हुई है। आठ अक्टूबर को उसके अधिकारियों ने पिकरिंग में बेली स्ट्रीट और क्रोस्नो बुलेवार्ड के क्षेत्र में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ और प्रवेश की रिपोर्ट पर रिस्पांस किया। पुलिस के मुताबिक, सुरक्षा निगरानी में पंढेर को मंदिर में घुसते और दान पेटियों से बड़ी मात्रा में नकदी चुराते देखा गया। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह भाग निकला। बयान के मुताबिक, पंढेर सुबह निगरानी फुटेज में पिकरिंग और अजाक्स में हिंदू मंदिरों में अतिरिक्त तोड़फोड़ करते हुए देखा गया था। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध सालभर में हिंदू मंदिरों में कई अन्य तोड़फोड़ और घुसपैठ से जुड़ा हुआ है। यह तमाम घटनाएं डरहम और ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र के आसपास हुई हैं।

पाकिस्तान में नए साल के जश्न पर लगाई रोक, पीएम काकड़ का फैसला

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में नए साल के जश्न पर रोक लगा दी गई है। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकड़ ने यह फैसला लिया है। उन्होंने गाजा के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए देश में नए साल के जश्न पर प्रतिबंध लगाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। काकड़ ने राष्ट्र के नाम एक संक्षिप्त संबोधन में देशवासियों से फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार फलस्तीन की गंभीर चिंताजनक स्थिति को ध्यान में रखते हुए और हमारे फलस्तीनी भाइयों एवं बहनों के साथ एकजुटता दिखाने के मकसद से नए साल का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाले हर तरह के आयोजन पर सख्त प्रतिबंध लगाती है। पीएम काकड़ ने कहा कि सात अक्टूबर को इजराइली बमबारी शुरू होने के बाद से इजराइली सेना ने 'हिंसा और अन्याय की सभी सीमाएं लांघते हुए लगभग 9,000 बच्चों समेत 21,000 से अधिक फलस्तीनियों की जान ले ली।'

उन्होंने कहा कि पूरा पाकिस्तान और मुस्लिम जगत गाजा एवं वेस्ट बैंक में निर्दोष बच्चों एवं निहत्थे फलस्तीनियों के नरसंहार से बेहद दुखी है। पीएम काकड़ ने कहा कि पाकिस्तान ने फलस्तीन को दो सहायता पैकेज भेजे हैं और तीसरा पैकेज तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान फलस्तीन को समय समय पर सहायता प्रदान करने और गाजा में मौजूद घायलों को निकालने के लिए जॉर्डन एवं मिस्र के साथ बातचीत में लगा हुआ है।

तेहरान में लोग ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के वरिष्ठ सलाहकार, सैय्यद रज़ी मौसवी के ताबूत को अंतिम संस्कार के लिए ले जाते हुए, जो सीरियाई राजधानी दमिश्क के बाहर एक इजरायली हवाई हमले में मारे गए थे।

कोलोराडो के बाद अब मैने ने ट्रंप के चुनाव लड़ने पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव लड़ पाना कठिन होता जा रहा है। एक के बाद एक, उन पर चुनाव न लड़ने के प्रतिबंध लगते जा रहे हैं। पहले कोलोराडो ने उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाई अब मैने ने भी इस पर प्रतिबंध लगा दिया है।अगले साल राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने की कोशिश कर ट्रंप को चुनौती दे रही राष्ट्रपति बाइडेन की पार्टी लगातार मुश्किले खड़ी कर रही है। डेमोक्रेट शासित एक और राज्य मैने ने राज्य में ट्रंप के चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया है। स्टेट सेक्रेटरी ने कहा कि ट्रंप के बयान की वजह से ही 2021 में यूएस कैपिटल पर हमला हुआ था। मैने के अलावा कोलोराडो ने डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव लड़ने पर रोक लगा रखा है। अब ट्रंप के पास सुप्रीम कोर्ट जाने के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं बचा है। कोलोराडो और मैने - इन दोनों ही राज्यों में डेमोक्रेट का दबदबा है और अगर सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिलती और ट्रंप चुनाव भी लड़ते हैं तो उनकी हार होना लाजिम है।

मैने सेक्रेटरी ने कहा कि ट्रंप ने चुनाव के बाद और खासतौर पर 6 जनवरी 2021 को चुनावी धांधली का झूठा नैरेटिव गढ़ा और अपने समर्थकों को कैपिटल में घुसने के लिए उकसाया था और इसलिए उन्हें चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप इस बीच चुनावी रैलियों में जुटे हैं और तेजी से अपना अभियान चला रहे हैं। उनके कैंपेन हेड ने स्पष्ट किया है कि वे मैने सेक्रेटरी के फैसले पर लीगल कार्रवाई करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव से रोकने के लिए डेमोक्रेट पार्टी तमाम कोशिशों में जुटी है। मसलन, कई राज्यों में 14वें संविधान संशोधन के तहत उन्हें चुनाव से रोकने की कोशिश की जा रही है। सबसे पहले कोलोराडो में डोनाल्ड ट्रंप पर इस संविधान संशोधन के तहत कार्रवाई की गई।

जासूसी कर रहे गूगल को देना पड़ा सकता है 41,000 करोड़ का जुर्माना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कैलिफोर्निया (ईएमएस)। चोरी छिपे अपने यूजर्स की जासूसी कर रहे गूगल को 41,000 करोड़ का जुर्माना लग सकता है। दरअसल गूगल यूजर्स की प्राइवेसी में सेंध लगाकर डाटा इकट्ठा कर रहा है। इसके लिए उसे 5 बिलियन डॉलर यानी करीब 41 हजार करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करना पड़ सकता है। गूगल पर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि कंपनी यूजर्स के डेटा की सीक्रेट ट्रैकिंग कर रही है। इसलिए गूगल के खिलाफ एक केस दायर किया गया, जिसका निपटारा करने का आदेश गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट को दिया गया है। हालांकि गूगल का कहना है कि उसने केस का निपटारा कर लिया है, लेकिन कैलिफोर्निया की अदालत ने कंपनी को 24 फरवरी 2024 तक केस के निपटारे के डोक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का टाइम दिया है। अगर गूगल आदेशों की पूर्ति नहीं कर पाया तो उसे जुर्माना भरना पड़ेगा। केस करने वाले व्यक्ति का कहना है कि गूगल एनालिटिक्स, कुकीज़ और ऐप्स के माध्यम से यूजर्स को ट्रैक किया जा रहा है।

इतना ही नहीं, गूगल यूजर्स की पसंद और नापसंद, दोस्तों, शौक, पसंदीदा भोजन, खरीदारी की आदतों और कुछ अन्य निजी बातों के बारे में जानता है, जिनके बारे में यूजर्स ऑनलाइन सर्च करते हैं। गूगल ने अपनी तरफ से मुकदमे को खारिज करने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने मामले की तह तक जाने के लिए गूगल की दलील को खारिज कर दिया। न्यायाधीश रोजर्स ने कहा कि साल 2020 में दायर इस मुकदमे में 1 जून 2016 से अब तक के लाखों गूगल यूजर्स को पार्टी बनाया गया है। केस में प्रत्येक यूजर को कम से कम 5 हजार डॉलर मुआवजा देने की मांग की गई है।

गौरतलब है कि गूगल पर अकसर यूजर्स की जासूसी करने के आरोप लगते रहे हैं। अमेरिकी सीनेटर रॉन विडेन ने इसे सरकार के इशारे पर किया गया कृत्य करार दिया। साथ ही मामले को लेकर न्याय विभाग को एक पत्र भी लिखा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि गूगल पुश नोटिफिकेशन के जरिए यूजर्स की जासूसी कर रहा है। बता दें ?कि पुश नोटिफिकेशन एक पॉप अप मैसेज है, जो होम स्क्रीन पर नया मैसेज आने का अलर्ट होता है, लेकिन इसके जरिए जासूसी संभव है। अगर यूजर ने पुश नोटिफिकेशन ऑन किया है तो टेक कंपनियां पता लगा सकती हैं कि आपके फोन में कौन-सा ऐप इंस्टॉल है, आप के आईडी पासवर्ड क्या हैं तथा दोस्त कौन हैं? आपके फोन में किस-किस का नंबर सेव है।

चीन में नेवी चीफ डोंग जून बने नए रक्षा मंत्री, 'गायब' ली शांगफू को हटाने के 2 महीने बाद हुई नियुक्ति

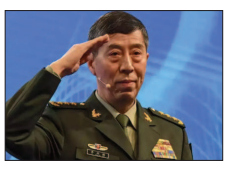

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने शुक्रवार को ली शांगफू की जगह डोंग जून को अपना नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया, जिन्हें अगस्त से लापता होने के बाद दो महीने पहले बिना किसी स्पष्टीकरण के हटा दिया गया था। नए रक्षा मंत्री की नियुक्ति तब हुई जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग चीन को एक प्रमुख विश्व शक्ति बनाने के अपने प्रयास के तहत सेना को उन्नत कर रहे हैं, एक ऐसा उद्देश्य जिसने कई पड़ोसियों को चिंतित कर दिया है। 62 वर्षीय डोंग हाल ही में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नौसेना प्रमुख थे। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले उन्होंने उत्तरी समुद्री बेड़े, पूर्वी समुद्री बेड़े के साथ-साथ दक्षिणी कमांड थिएटर सहित पीएलए के सभी प्रमुख डिवीजनों में काम किया है।

चीन के रक्षा मंत्री की भूमिका मीडिया और अन्य सेनाओं के साथ पीएलए का सार्वजनिक चेहरा बनना है, जैसा कि रॉयटर्स ने बताया है। हालाँकि, अन्य देशों के विपरीत, मंत्रालय का रक्षा नीति या सैन्य प्रबंधन में बहुत अधिक योगदान नहीं है।

ली शांगफू को क्या हुआ?

इस साल अक्टूबर में चीन ने ली शांगफू को बिना किसी स्पष्टीकरण के रक्षा मंत्री और स्टेट काउंसिलर के पद से हटा दिया था। उन्होंने मार्च में रक्षा मंत्री का पद संभाला था, लेकिन 25 अगस्त के बाद से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था। रिपोर्टों के अनुसार, ली रूस से हथियार खरीद की देखरेख से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत थे, जो उन्हें देश में प्रवेश करने से रोकते थे। तब से, चीन ने अमेरिकी सेना के साथ संपर्क काट दिया। ली के कार्यकाल के दौरान भी वह प्रतिबंधों के कारण अपने अमेरिकी समकक्ष से नहीं मिले थे. विशेष रूप से, चीन के रक्षा मंत्री के काम का एक महत्वपूर्ण तत्व ताइवान और दक्षिण चीन सागर पर संघर्ष के जोखिम को कम करने के लिए अमेरिकी सेना के साथ जुड़ना है।

आतंकी हाफिज सईद के प्रत्यार्पण की मांग पर पाकिस्तान का लचर रवैया

इस्लामाबाद । भारत ने मुंबई के 26/11 और पुलवामा आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा सरगना हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से मांग की है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारत के हाफिज को मांगने की खबर पर कहा कि यह पूरी तरह से अटकलों पर आधारित है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जहरा बलोच ने हाफिज सईद के भारत प्रत्यर्पण के सवाल पर कहा, यह अटकलों पर आधारित रिपोर्टिंग के तहत पूछा गया सवाल है। हम इस तरह की रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। इससे पहले भारतीय सूत्रों और पाकिस्तानी मीडिया ने खुलासा किया है कि भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान की सरकार से हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है। हाफिज सईद इस समय जेल में बंद है। बताया जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह हाफिज सईद के प्रत?र्यपण के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करे। गौरतलब है कि हाफिज सईद भारत की मोस्ट वांटिड आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल है। यही कारण है कि अब भारत हाफिज सईद को भारत लाने की तैयारी में है।

इजरायली हमलों से खाली होने की कगार पर गाजा, 19 लाख लोग बेघर हुए

तहरान (एजेंसी)। गाजा (ईएमएस)। इजरायली हमलों से गाजा खाली होने की कगार पर पहुंच गया है। यहां लगभग 19 लाख लोग बेघर होकर ?विस्थापन का ?शिकार हुए हैं। गौरतलब है ?कि इजरायल-हमास युद्ध तीसरे महीने में प्रवेश करने वाला है और फिलहाल संघर्ष रुकने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र ने चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि गाजा खाली होने की कगार पर है, क्योंकि क्षेत्र की करीब 85 फीसदी आबादी विस्थापित हो चुकी है। इधर हमास के हमले के बाद से ही इजरायली बलों की कार्रवाई जारी है। संयुक्त राष्ट्र के यूनोका का कहना है कि गाजा में जारी इजरायल के सैन्य हमलों में करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। यह क्षेत्र की कुल आबादी का अनुमानित 85 फीसदी हिस्सा है। इसके अलावा यूनोका ने गाजा में महिलाओं और बच्चों की बुरी स्थिति का ब्योरा भी दिया है। यूएन का कहा है कि यहां कई बच्चों पर बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

यूएन ने ट्वीट किया, कि गाजा में अधिकांश लोग विस्थापित हो चुके हैं। कई परिवार सुरक्षा के लिए बार-बार जगह बदलने पर मजबूर हो रहे हैं। आगे कहा गया ?कि सीमित खाद्य आपूर्ति, जीवन के लिए बुनियादी चूजों की कमी, और साफ-सफाई की कमी बुरे हालात को और बढ़ा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के अनुसार गाजा में चार में से एक फिलिस्तीनी भूख से पीड़ित है। बता दें ?कि इजराइल के हमले में उत्तरी गाजा का अधिकांश भाग तबाह हो चुका है, बड़े पैमाने पर यहां से लोगों का पलायन हो चुका है और कई हफ्तों से यह क्षेत्र शेष गाजा से कटा हुआ है। कई लोगों को डर है कि गाजा के दक्षिण क्षेत्र में भी ऐसा ही हश्र होगा। इजरायली सेना ने गाजा में गुरुवार को शहरों, कस्बों और शरणार्थी शिविरों को निशाना बनाकर जमीनी और हवाई हमले किए, जिसमें कई फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं और हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। नागरिकों की मौत हो चुकी है।

चीन की प्रताड़ना से परेशान हॉन्ग-कॉन्ग का नेता पहुंचा ब्रिटेन

लंदन (एजेंसी)। चीन का विवाद हॉन्ग-कॉन्ग से पुराना है। यहां के लोगों को प्रताड़ित करना चीन के लिए नई बात नहीं है। चीन ने 2021 में चीन ने बड़े स्तर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र समर्थकों को जेल में डाल में डाल दिया था। उन्हीं में एक थे टोनी चुंग, जो अब जेल से बाहर हैं और शरण के लिए ब्रिटेन पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि जेल में रहने के दौरान किस तरह चीनी पुलिस उन्हें टॉर्चर करती थी, जिसका उनके दिमाग पर गंभीर असर पड़ा।बता दें कि टोनी चुंग, लोकतंत्र समर्थक समूह स्टूडेंटलोकेलिस्म के नेता हैं। इस पार्टी को चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की वजह से 2020 में भंग कर दिया गया था। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर खुलासा किया कि चीनी पुलिस उन पर हाजिरी लगाने का दबाव बना रही थी। वह पिछले कुछ महीने से दिमागी समस्याओं का सामना कर रहे थे। उन पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। जेल से रिहा किए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें मुखबिर बनने का ऑफर दिया।

टोनी चुंग को नवंबर 2021 में 43 महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। वह तब 20 साल के थे। आरोप था कि वह उस ग्रुप का हिस्सा थे जो हॉन्ग-कॉन्ग को चीन से अलग करना चाहते थे। दरअसल, 2020 में हॉन्ग-कॉन्ग में बड़े स्तर पर लोकतंत्र समर्थक सड़कों पर आ गए थे। इसको लेकर चीन ने यहां एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू कर दिया। इसी कानून के तहत टोनी चुंग और उनके साथियों पर मामले थोपे गए और उन्हें जेल में डाल दिया गया। इसी साल जून में वह रिहा किए गए। टोनी चुंग ने बताया कि जेल में चीनी पुलिस अलग से कट्टरपंथी पर एक क्लास चलाती थी, जिसमें सभी कैदियों को शामिल होना पड़ता था। यहां खासतौर पर चीन के प्रति वफादारी सिखाई जाती थी। बीमारी की वजह से चुंग को कुछ दिनों की छुट्टी पर जापान भेजा गया था, जहां से वह ब्रिटेन पहुंच गए। चुंग ने बताया कि उन्होंने ब्रिटेन में राजनीतिक शरण के लिए अप्लाई किया है। पिछले कुछ सालों में हॉन्ग-कॉन्ग छोड़ने वाले टोनी चुंग पहले शख्स नहीं हैं। इससे पहले उनके कई साथियों ने शहर छोड़ दिया है और दूसरे देशों में शरण लिए हुए हैं।

अलविदा 2023- अमेरिका की आबादी 2023 में 17 लाख बढ़ी, अब 34 करोड़ हुई जनसंख्या

वॉशिंगटन (एजेंसी)। विश्व की जनसंख्या इस साल लगभग 1 फीसदी के ग्रोथ रेट से बढ़ी है। अमेरिकी सरकार के एक आंकड़े के मुताबिक 2024 की शुरुआत में हर सेकेंड दुनिया में 4.3 बच्चे जन्म लेंगे जबकि इसी दौरान दो लोगों की मौत हो जाएगी। अगर अमेरिका की बात करें तो उसके आबादी की रफ्तार 2023 में 0.53 फीसदी रही है। यह दुनिया का जो औसत है, उससे लगभग आधा है। अमेरिका की आबादी 2023 में 17 लाख बढ़ी है। बढ़ी हुई संख्या के बाद अमेरिका की आबादी करीब 34 करोड़ हो गई है। अगर इसी तरह अमेरिका की आबादी बढ़ती रही तो यह दशक अमेरिकी इतिहास में सबसे कम आबादी की ग्रोथ रेट वाला होगा। अनुमान है कि इस दशक में अमेरिकी आबादी में तकरीबन 4 फीसदी का इजाफा होगा।

1930 से पहले अमेरिकी आबादी एक दशक में 7 फीसदी से भी ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज कर रही थी। फिर 1930 के ग्रेट डिप्रेशन के बाद अमेरिकी जनसंख्या की रफ्तार कम होनी शुरू हुई। ध्यान रहे जिस साल की बात अभी हम कर रहे हैं फिलहाल यानी 2023 का, यह कोविड के बाद उबरने वाला साल है। कोविड के दौरान दुनियाभर में लोगों की असामयिक मौतें हुईं थी। इस से हुआ जनसंख्या बहुत प्रभावित हुई थी। 2024 में अमेरिका की आबादी की अगर बात करें तो, यहां हर 9 सेकेंड में एक बच्चा जन्म लेगा जबकि प्रति 9.5 सेकेंड में एक मौत हो सकती है। अमेरिका में आबादी के बढ़ने की एक वजह जन्म और मृत्यु से दूसरी है। अमेरिका में लगातार अवैध तरीके से लोग दाखिल हो रहे हैं। इमिग्रेशन वैध तरीके से भी हो रहा है। यह अमेरिका में जनसंख्या को बढ़ा रह है। एक अनुमान के मुताबिक हर 28 सेकेंड में अमेरिका में एक व्यक्ति इमिग्रेंट के तौर पर दाखिल होने जा रहा। इस तरह अगर जन्म, मृत्यु और नेट इमिग्रेशन के मद्देनजर देखें तो अमेरिका की आबादी में हर 24 सेकेंड पर एक आदमी और जुड़ेगा।

तीन साल से जारी यूक्रेन-रूस का युद्ध अभी सालों साल चलेगा

-पुतिन की बम बरसाते रहने की धमकी के बावजूद अमेरिका ने खोला खजाना

वाशिंगटन (एजेंसी)। फरवरी 2024 में यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को तीन साल पूरे हो जाएंगे। जानकार बता रहे हैं कि यूक्रेन और रूस में चल रही जंग अभी सालों तक और चलेगी। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पुतिन अभी यूक्रेन में जंग रोकने की नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन पर बम बरसाते रहने की धमकी दी है। यह रिपोर्ट हाल ही में पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात के बाद सामने आई है। उधर, यूक्रेन पर गहराते संकट के बीच अमेरिका ने अपना खजाना खोल दिया है। अमेरिका ने यूक्रेन को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की नई मदद भेजी है। गौरतलब है कि अब तक अमेरिका यूक्रेन को 44 बिलियन अमेरिका डॉलर की मदद कर चुका है। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से चल रहा युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। लाखों की संख्या में रूसी सेना यूक्रेन के अलग-अलग इलाकों में खूबसूरत शहरों पर बम बरसा रहे हैं। इस युद्ध में हजारों की संख्या में लोगों की जान जा चुकी है और लाखों की संख्या में लोग विस्थापित हो चुके हैं। हालांकि रूस को भी इस युद्ध में काफी नुकसान हुआ है।

इसमें खास बात यह है कि अमेरिका और पश्चिम देशों की मदद से यूक्रेनी लड़ाके रूसी हमले का मुंह तोड़ जवाब दे रहे हैं। गुरुवार को युद्ध के ताजा अपडेट में पता लगा है कि बुधवार देर रात यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में रूसी बलों ने रात भर दर्जनों हवाई हमले किए। ईरानी ड्रोन अटैक से दो लोगों की मौत की खबर है, जबकि चार अन्य बुरी तरह घायल हैं। यूक्रेन वायु सेना ने मामले में बयान दिया कि उसने रूस द्वारा लॉन्च किए गए 46 ईरानी निर्मित ड्रोनों में से 32 को मार गिराया। स्थानीय गवर्नर ऑलेक्ज़ेंडर प्रोकुडिन ने कहा कि खेरसॉन क्षेत्र और इसकी राजधानी पर हमले से आवासीय क्षेत्रों और एक मॉल बुरी तरह बर्बाद हो गए।

इस बीच दावा किया है कि मार्च में मॉस्को में एक बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से

कहा था कि रूस यूक्रेन में कम से कम पांच साल तक लड़ा जाएगा। सूत्रों का यह भी कहना है कि पुतिन मौजूदा युद्ध की स्थिति को लेकर रूसी सेना के बैकफुट पर जाने से नाखुश थे। उन्होंने शी जिनपिंग को आश्वस्त किया कि अंत में रूस की ही विजय होगी। गौरतलब है कि फरवरी 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद यह शी जिनपिंग की रूस की पहली यात्रा थी। चीन द्वारा अपनी जीरो कोविड नीति को हटाए जाने के बाद जिनपिंग ने पहली बार किसी विकसित और अग्रणी देश का दौरा किया।

संपादकीय

मननीय बिन्दु

मन में हम जैसा सोचेंगे वैसे ही हमारे भाव होंगे । भाव के अनुसार ही कर्मों का चक्र चलता रहता है । ईर्ष्या में जलना बड़ी नासमझी है। ईर्ष्या वो आग है जिसे पानी से बुझाना सम्भव नहीं। यह आग तब तक शांत नहीं होती जब तक स्वयं उस ईर्ष्यालु मनुष्य को पूर्ण जलाकर भस्म न कर दे। अगर हिम्मत है तो हम अवश्य जले ,मगर दीपक की तरह जो अपने स्नेह प्रकाश में सबका जीवन रोशन कर पाए और स्वयं को भी प्रकाशित करे। ईर्ष्या एक ऐसा शब्द है जो हमारे स्वयं के जीवन को तो तहस-नहस करता है औरों के जीवन में भी खलबली मचा देंता है ।यदि हम किसी को सुख या खुशी नहीं दे सकते तो कम से कम दूसरों के सुख और खुशी देखकर जलें नही ।और यदि हमें खुश नहीं होना है तों न सही, अत: हम किसी की खुशियों को देखकर अपने आपको ईर्ष्या की आग में तों ना जलाएं। जो जीवन की आधारभुत जरूरतों और असीमित आकांक्षाओं में भेदरेखा खींच लेना जान जाता है ।जरूरतें सबकी पूरी हो ,ये काम्य है और होनी भी चाहिए,पर और और की आपाधापी का कोई ओर छोर नहीं होता ,कहा गया है कि क्रोध हमारी आंखों में रहता है,मान हमारी गर्दन में,माया हमारे पेट में रहती हैलेकिन लोभ जिसे असंतुष्टि भी कहते हैं ,वो हमारे शरीर के एक एक कोशिकाओं में रहता है,लोभ को सब कषायों का बाप कहा गया है,तभी तो सब कषाय छूटने के बाद सबसे अंत मे 10वें गुणस्थान में लोभ छूटता है,वीतराग बनने के समय में,लोभ छूटते ही वीतराग बन जाता है जीव ।हम अपने विवेक से हर पल अप्रमत्त रहने की जागरूकता बरतते रहे । परोपकार परम् धन है,संतोष उससे भी बड़ा धन ।हम प्रसनचित्त रहना चाहते है तो छोटी छोटी बातें सेवा भाव,परोपकार आदि गुणों को अपनाकर आत्मा के असीम आनन्द को पा सकते हैं। जिस तरह खून से सने कपड़े को खून से नहीं,साबुन से साफ कर सकते हैं,वैसे ही हम लोभ को दूसरे से ज्यादा पाने की आपाधापी सेनहीं,सन्तोष रूपी धन से हरा सकते है। संतोषी होना एक अमोघसूत्र है ।हम अपने जीवन में जितना इसे हम सही से अपना ले अपने जागरूकता से,उतना ही हम प्रसन्नचित्त रह पाएंगे। क्योंकि मन एक ऐसी जमीन है जहाँ आप जैसी जिस तरह से मानसिकता का बीज बोएँगे वैसा ही फल पाएँगे।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

अपराधों से जूझती आधी आबादी

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

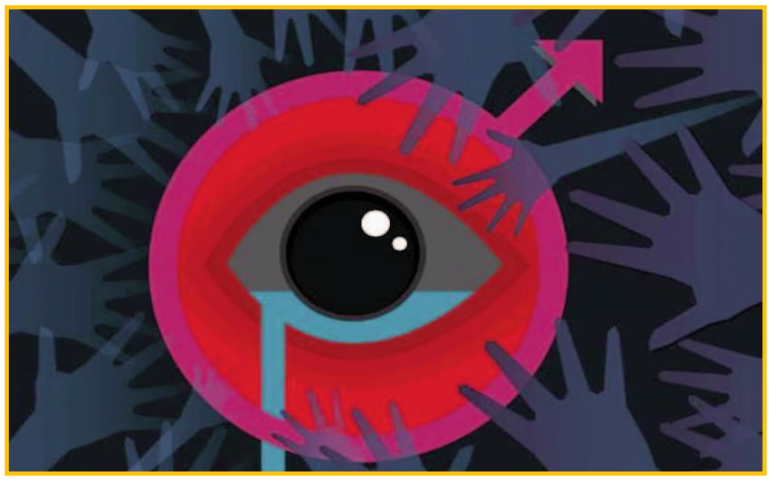

'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' प्रतिवर्ष महिलाओं पर अपराधों की रिपोर्ट जारी करता है लेकिन इससे प्रेरित होकर कहीं कोई कार्रवाई होती नहीं दिखती। विचित्र यह है कि महिलाओं पर होने वाले अपराधों में उत्तर भारत के राज्य हर बार 'बाजी' मार लेते हैं। क्या कहते हैं 'एनसीआरबी' के ताजा आंकड़े? बता रहे हैं वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल।

'एनसीआरबी' (राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो) की नवीनतम रिपोर्ट में एक बार फिर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की चिंताजनक तस्वीर उभरकर सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 4,28,278 और 2020 में 3,71,503 था। महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के ये मामले 2021 की तुलना में करीब चार प्रतिशत ज्यादा हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि सरकार महिला सशक्तिकरण का कितना भी दावा करे, वास्तविकता यही है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में कोई सुधार नहीं आया है। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर सर्वाधिक बताई गई है। दूसरे राज्यों के मुकाबले उत्तरप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में सर्वाधिक प्राथमिकी दर्ज हुई हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध में दिल्ली लगातार तीसरे साल 19 महानगरों में सबसे आगे है। सभी राजनीतिक दल चुनावों में घोषणा करते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे महिलाओं की सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगे, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। महिलाओं के प्रति अपराधों पर 'एनसीआरबी' के आंकड़ों से साफ पता चलता है कि महिलाएं स्वयं को कहीं भी सहज और सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। देश में शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी न हुई हो। विडंबना है कि महिलाओं पर अपराध के मामलों में अधिकतर पति, प्रेमी, रिश्तेदार या कोई अन्य करीबी शख्स ही आरोपी निकले। इन मामलों में महिलाओं के पति या रिश्तेदारों द्वारा 31.4 फीसद क्रूरता, 19.2 फीसद अपहरण, 18.7 फीसद बलात्कार की कोशिश और 7.1 फीसद बलात्कार करने के मामले शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश में बलात्कार के कुल 31,516 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सर्वाधिक 5399 मामले राजस्थान में, 3690 मामले उत्तरप्रदेश, 3029 मध्यप्रदेश, 2904 महाराष्ट्र और 1787 मामले हरियाणा में दर्ज किए गए। महिलाओं के प्रति अपराध के मामले में देश की राजधानी दिल्ली सबसे आगे है, जहां 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14247 मामले दर्ज किए गए। दिल्ली और राजस्थान जहां

महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य हैं, वहीं दहेज के लिए जान लेने वालों में पहले स्थान पर उत्तरप्रदेश और दूसरे पर बिहार है। उत्तरप्रदेश में दहेज के लिए 2138 और बिहार में 1057 महिलाओं की हत्या कर दी गई, जबकि मध्यप्रदेश में 518, राजस्थान में 451 और दिल्ली में 131 महिलाओं की हत्या दहेज के लिए की गई। 'एनसीआरबी' के अनुसार प्रति एक लाख जनसंख्या पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 में 64.5 फीसद से बढ़कर 2022 में 66 फीसद हो गई, जिसमें से 2022 के दौरान 19 महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48,755 मामले दर्ज किए गए। ये 2021 के 43,414 मामलों की तुलना में 12.3 फीसद ज्यादा हैं। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि तमाम दावों, वादों और नारों के बाद भी आखिर देश में ऐसे अपराधों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? कितनी चिंतनीय स्थिति है कि जिस भारतीय संस्कृति में नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है, वही नारी घर में भी सुरक्षित नहीं है। परिजनों के हाथों घरेलू हिंसा, दहेज हत्या, झूठी शान के लिए हत्या, बलात्कार और सहजीवन में जान गंवाने के मामले में स्थिति काफी दयनीय है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि महिलाएं न परिवार में, न आस-पड़ोस में और न ही बाहर के वातावरण में खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हैं।

'राष्ट्रीय महिला आयोग' के आंकड़े देखें तो 2023 के 19 सितंबर तक ही महिलाओं के खिलाफ अपराध की कुल 20,693 शिकायतें मिलीं, जिनके इस वर्ष के अंत तक बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2022 में आयोग को 30,957 शिकायतें मिली थीं, जो 2014 के बाद सर्वाधिक थी। वर्ष 2014 में 30,906 और 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 30 हजार से ज्यादा शिकायतें मिली थी। आयोग ने तेजाब हमले, महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध, दहेज हत्या, यौन शोषण और दुष्कर्म जैसी कुल 24 श्रेणियों में शिकायत दर्ज की। सर्वाधिक शिकायतें गरिमा के साथ जीने के अधिकार को लेकर दर्ज की गई, उसके बाद घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, छेड़खानी और बलात्कार की शिकायतें हैं। दिल्ली में 'निर्भया कांड' के बाद महिलाओं के प्रति अपराधों पर लगाम कसने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए, उससे लगा था कि समाज में संवदेनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त होंगे, पर शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले सामने न आते हों। ऐसे अधिकांश मामलों में प्राय: पुलिस-प्रशासन का भी गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखता है। यह निश्चित रूप से कानून-व्यवस्था और पुलिस- प्रशासन की उदासीनता का ही नतीजा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों में शायद ही कभी खौफ दिखता हो।

कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी-दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों, छेड़छाड़, मर्यादा हनन या फिर अपहरण, क्रूरता, आधी दुनिया के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। स्पष्ट है, केवल कानून कड़े कर देने से महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों पर लगाम नहीं कसी जा सकेगी। इसके लिए जरूरी है कि सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ उसकी जबाबदेही सुनिश्चित करें। ऐसे मामलों में प्राय: पुलिस-प्रशासन की जिस तरह की भूमिका सामने आती रही है, वह काफी हद तक इसके लिए जिम्मेदार है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का काम करती रही है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी होगी?

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

राजस्थान में मंत्रिमंडल को लेकर बैक फुट पर सरकार

(लेखक/-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान विधानसभा चुनाव के परिणाम आए आज 27 दिन हो गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व दोनों उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी व प्रेमचंद बैरवा को शपथ लिए भी अबतक 15 दिन बीत गए हैं। इसके बावजूद भी प्रदेश में अभी तक मंत्रिमंडल का गठन नहीं होने से भाजपा व प्रदेश सरकार बैक फुट पर आ गई है। मंत्रिमंडल नहीं बनने को लेकर कांग्रेस बीजेपी पर लगातार हमला कर रही है। वहीं प्रदेश में लोगों को डबल इंजन की सरकार का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। अब तो प्रदेश के आम लोगों के सब्र का बांध भी टूटने लगा है तथा लोग सवाल करने लगे हैं कि प्रदेश में आखिर मंत्रिमंडल का गठन क्यों नहीं हो पा रहा है। प्रदेश में मंत्रिमंडल का गठन नहीं होने का मुख्य कारण केंद्रीय नेतृत्व को माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि जब तक दिल्ली से नामो की अंतिम सूची पर मोहर नहीं लगेगी तब तक मंत्रिमंडल का गठन नहीं होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ दो उपमुख्यमंत्री भी बनाए गए थे। मगर अभी तक विभाग नहीं मिलने के कारण वह दोनो भी खाली बैठे हुए नजर आ रहे हैं।

राज भवन में पिछले एक सप्ताह से मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी चल रही है। चर्चा है कि राजभवन में एक सप्ताह पूर्व ही नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के लिए पंडाल वगैरह बना दिए गए थे। मगर मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं होने के कारण पिछले एक सप्ताह से उनका किराया लग रहा है। राजस्थान में भाजपा से जीतने वाले विधायक भी मंत्री बनने के लिए अपनी लाविंग कर के थक चुके हैं। उनको भी लगने लगा है कि पता नहीं कितने दिन और लगेंगे मंत्रिमंडल विस्तार में। हालांकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक जनवरी से उज्जवला व बीपीएल परिवारों की महिलाओं को 450 रूपये में गैस सिलेंडर देने जैसे कुछ बड़े फैसले किए हैं। मगर जब तक मंत्रिमंडल का पूरी तरह गठन नहीं हो जाता तब तक सरकार की योजनाओं, नीतियों को गति नहीं मिल पाती है। मंत्रिमंडल के गठन के बाद ही जिलों के प्रभारी मंत्री लगाए जाएंगे। उसके बाद ही सरकारी ब्यूरोक्रेसी में फेरबदल होगा। मंत्रिमंडल विस्तार के अटक जाने से नई सरकार के गठन की पूरी प्रक्रिया भी रुकी हुई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व दोनों उपमुख्यमंत्री दिल्ली जाकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही सभी वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। उसके उपरांत भी दिल्ली से मंत्रिमंडल विस्तार की हरी झंडी नहीं मिल पाई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि वसुंधरा राजे के चलते भी मंत्रिमंडल विस्तार में देरी हो रही है। वसुंधरा राजे अपने समर्थक कई विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करवाना चाहती है। वहीं भाजपा आलाकमान वसुंधरा समर्थक कुछ गिने-चुने विधायकों को ही मंत्री बनान पर सहमत है। जब तक वसुंधरा राजे अपने समर्थकों को मंत्री बनाने को लेकर संतुष्ट नहीं हो जाती है तब तक मंत्रिमंडल का विस्तार होना मुश्किल लग रहा है। वसुंधरा राजे को जिस तरह से मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर किया गया था। उसी तरह मंत्रिमंडल विस्तार में उनकी पूरी तरह से उपेक्षा नहीं की जा सकती है। वसुंधरा राजे को संतुष्ट करके ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।

भजनलाल सरकार ने अशोक गहलोत सरकार द्वारा गठित सभी बोर्ड, निगम, आयोग, समितियों को भंग कर उनके प्रदेश व जिला स्तरीय पदाधिकारी को हटा दिया है। मगर उनके स्थान पर नए लोगों को भी तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा। जब तक पूरा मंत्रिमंडल का गठन होकर मंत्रियों के विभागों का वितरण नहीं हो जाए। हालांकि राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली की जांच को लेकर विशेष जांच दल का गठन कर दिया गया है। मगर राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिए सरकार को उसके संविधान, नियमों में संशोधन करना होगा। जो मंत्रिमंडल गठन होने के बाद ही हो पाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी चुनावी जनसभाओ में प्रदेश में पेट्रोल व डीजल की कीमतों को अन्य पड़ोसी प्रदेशों के समकक्ष करने की बात भी जोर-जोर से उठाई थी। मगर मंत्रिमंडल का गठन नहीं होने से उस दिशा में भी अभी तक कोई काम नहीं हो पाया है। प्रदेश की जनता आज भी महंगा पेट्रोल, डीजल खरीद रही है। ऐसे में भाजपा आलाकमान को चाहिए कि राजस्थान मंत्रिमंडल का विस्तार जल्दी से जल्दी करवाया जाए। ताकि आमजन में पार्टी की जो नकारात्मक छवि बन रही है। वह समाप्त हो तथा आम आदमी के हित में नई सरकार काम शुरू कर सके। मंत्रिमंडल के गठन में जितनी देरी इस बार हो रही है उतनी देरी राजस्थान के इतिहास में शायद कभी नहीं हुई।

विचार मंथन

बस हादसे में जिंदा जले 13 लोग अफसर जिम्मेदार सरकार गैर जिम्मेदार

(लेखक - सनत जैन)

गुना में बुधवार की रात हुए बस हादसे में 13 लोगों की बस के अंदर ही जलकर मौत हो गई। 13 लोगों का ऐसा अग्नि संस्कार हुआ कि शव एक-दूसरे से चिपक गए। अब डीएनए टेस्ट से मृतकों की पहचान की जा रही है। मृतकों में एक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक मनोहर लाल शर्मा भी मौजूद थे। जिनकी बस के अंदर ही बैठे-बैठे अग्नि संस्कार में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ महेश यादव घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की। घोषणा की मुख्यमंत्री महोदय ने ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को तुरंत हटाने के आदेश दिये। वहीं आरटीओ और सीएमओ को सस्पेंड कर दिया। निश्चित रूप से सरकार द्वारा जो कार्रवाई की गई, उसमें अधिकारियों की लापरवाही थी। समय-समय पर बसों की चेकिंग और जांच का काम ओर जो निरीक्षण करना चाहिए था, उसमें लापरवाही बरती। मुख्यमंत्री द्वारा की गई कार्रवाई को सभी लोगों द्वारा सराहा गया। घटना के बाद पुलिस सक्रिय हुई। बस मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। घटना के बाद जो जानकारी प्राप्त हुई है, उससे लगा कि अधिकारियों से ज्यादा इस घटना के लिए सरकार भी जिम्मेदार है। जब इस तरह की घटनाएं हो जाती हैं तब सरकार जागती है। संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई कर देती है। मामला यहीं पर खत्म हो जाता है। इस घटना के बाद जब वस्तु स्थिति खुलकर सामने आई। पता लगा कि फायर ब्रिगेड समय पर घटनास्थल पर नहीं पहुंची। गुना से कुछ ही किलोमीटर दूर यह घटना हुई थी, यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती तो इतनी बड़ी संख्या में मौत नहीं होती। दुर्घटना के आधे घंटे के बाद बस में आग लगी, यह माना जा रहा है कि बस में केन में पेट्रोल लेकर गुना से एक यात्री बस में आरोन ले जा रहा था। पेट्रोल में आग लगने के बाद पीछे की तरफ बड़ी तेजी के साथ आग भड़की और देखते ही देखते 13 लोगों का बस के अंदर ही अग्नि संस्कार हो गया। इसके बाद और भी खबरें निकलकर सामने आई परिवहन विभाग में पिछले 10 वर्षों से नियुक्तियां नहीं हुई हैं। पुलिस से प्र ति नियु क्ति पर जो कर्मचारी परिवहन विभाग में जाते थे, उनकी नियुक्तियां बंद कर दी गई हैं। पिछले 10 साल में बसों की संख्या और गाड़ियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। परिवहन विभाग में 10 साल से नियुक्तियां ही नहीं हुई है। परिवहन विभाग के पास जांच अमला ही उपलब्ध नहीं है। परिवहन विभाग ना तो समय पर फिटनेस की जांच कर पाता है और ना ही रोड पर चलती हुई गाड़ियों की जांच कर पाता है। 25 लाख वाहनों की जांच के लिए प्रदेश के 52 जिलों में 56 अ धिकारी तैनात हैं। इसी से समझा जा सकता है कि सरकार प रिवहन विभाग को लेकर किस तरह की जिम्मेदारी निभा रही है। परिवहन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी केवल अपनी मासिक वसूली पर ही ध्यान रखते हैं। यह बात सरकार को भी मालूम है। 10 साल से जब स्टाफ ही नहीं दिया जा रहा है, केवल अधिकारियों की जिम्मेदारी ठहरना उचित भी प्रतीत नहीं होती है। परिवहन विभाग से सबसे ज्यादा कमाई सरकार को होती है। पंजीयन से लेकर रोड टैक्स परमिट और फिटनेस के नाम पर हर साल अरबो रुपए की वसूली सरकार द्वारा की जाती है, लेकिन सरकार जांच के लिए यदि पर्याप्त अमला ही नहीं रखेगी तो इस तरीके की दुर्घटनाओं पर किस तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इसको लेकर भी सरकार की जिम्मेदारी तय होती है। घटना के बाद जो वस्तु स्थिति सामने आ रही है। उसके अनुसार परिवहन विभाग के पास जांच के लिए निरीक्षक और अमला ही उपलब्ध नहीं है। परिवहन विभाग के सारे काम भगवान भरोसे हैं। केवल एक काम प रिवहन विभाग में सही तरीके से हो रहा है, वह अवैध वसूली का है। करोड़ों रुपए की अवैध वसूली हर माह परिवहन विभाग द्वारा की जाती है, इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट पर भी लोग रखे जाते हैं। अवैध वसूली के लिए स्थानीय गुंडों का भी सहारा लिया जाता है। जो परिवहन विभाग की ओर से वसूली करते हैं। आरटीओ कार्यालय में जो वाहन जांच के लिए जाते हैं, उसमें भी दलालों की बड़ी भूमिका होती है। आवेदन के साथ नोट चलते हैं, दलालों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। अधिकारी भी केवल अपनी वसूली पर ध्यान देते हैं। यदि वह मिल जाती है, तो कागज पर आंख मूंदकर हस्ताक्षर कर देते हैं। परिवहन विभाग का नाम अब वसूली विभाग रख देना चाहिए। जब सरकार के पास अमला ही नहीं है, तो जांच कौन करेगा। सरकार को सब कुछ मालूम है। सरकार पिछले 10 वर्षों से आंख बंद करके बैठी हुई थी।

अरबी की उन्नत आर्गनिक जैविक खेती

अरबी एक बहुवर्षीय कंदीय फसल है। इसके बड़े आकार के पत्तों एंव कंद (गांठों)को सब्जी के रूप में खाते है। इसकी खेती मुख्यत: 1600 मीटर तक की ऊँचाई वाले क्षेत्रों में की जाती है। इन क्षेत्रों के लगभग सभी परिवार इसको गृह–वाटिका में उगाते हैं। अरबी अच्छे भाव बिकती है तथा इसका भण्डारण काफी समय तक कमरों में ही किया जा सकता है।

अरबी कि फसल को गर्म और आर्द्र जलवायु कि आवश्यकता होती है यह ग्रीष्म और वर्षा दोनों मौसमों में उगाई जा सकती है इसे उष्ण और उप उष्ण देशों में उगाया जा सकता है उत्तरी भारत कि जलवायु अरबी कि खेती के लिए सर्वोत्तम मानी गई है।

भूमि

अरबी के लिए पर्याप्त जीवांश वाली रेतीली दोमट मिटटी अच्छी रहती है इसके लिए गहरी भूमि होनी चाहिए ताकि इसके कंदों का समुचित विकास हो सके

प्रजातियाँ

आजकल भी अरबी कि स्थानीय किस्मे उगाई जाती है देश के प्रत्येक क्षेत्र में कुछ स्थानीय किस्मे उगाई जाती है अब कुछ उन्नत किस्मे भी उगाई जाने लगी है .

फैजाबाद, लाधरा वंशी, बंगाली बड़ा, देशी बड़ा, पंचमुखी, गुर्री काचू, आस काचू, काका काचू, सर काचू, एन.डी.सी.-1, एन.डी.सी.-2

बोने का समय

अरबी कि बुबाई फरवरी, मार्च, जून जुलाई में की जाती है

बीज की मात्रा

अरबी के लिए 8-10 क्विंटल बीज प्रति हे 0 कि फदर से उप्योद करे बुबाई के लिए केवल अंकुरित बीज का उपयोग करे।

बोने की विधि

अरबी कि बुबाई निम्नलिखित दो बिधियों से की जाती है .

समतल क्यारी

भली भाँती तैयार करके पंक्तियों कि आपसी 45 से 0 मि 0 और पौधों कि आपसी दुरी दुरी 30 से 0 मि 0 रखकर बीज बलि गांठों को 7.5 से 0 मि 0 गहराई पर मिटटी के अन्दर बो दे .

डौलों पर

45 से.मी. की दुरी पर डौलीयां बनायें डौलीयों के बिच दोनों किनारों 30 पर से.मी. की दुरी पर गांठे बो दें।

कन्दों को एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी 30-45 सैं. मी. तथा कंद से कंद की दूरी 20-30 सैं. मी. रखें तथा 5-6 सैं. मी. गहराई में बोयें। बीजाई के लिए 50-60 ग्राम भर वाले कन्दों का प्रयोग करें। बड़े कन्दों को काटकर प्रयोग किया जा सकता है। प्रत्येक टुकड़े में 1-2 आँखे होनी चाहिए। बीजाई के तुरन्त बाद घास पत्तियों या गोबर की खाद से ढकना आवश्यक है।

सिंचाई व निराई-गुड़ाई

गर्मी की फसल में सिंचाई हर सात दिन बाद तथा वर्षा) ऋतू की फसल में सिंचाई वर्षा बीत जाने पर हर 10 दिन के बाद करनी चाहिए । फसल की एक दो बार उथली गुड़ाई करें तथा प्रत्येक निराई के बाद खुली हुई जड़ों और कन्दों के ऊपर मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए ।

आर्गनिक जैविक खाद

गोबर की सड़ी हुयी खाद 25-30 टन प्रति हे . खेत में सामान मात्रा में बिखेर कर जुताई कर आर्गनिक 2 बैग भू पावर 50 किलो ग्राम, 2 - बैग माइक्रो फर्टी सिटी कम्पोस्ट वजन 40 किलो ग्राम, 2 - बैग माइक्रो भू पावर 10 किलोग्राम वजन, वजन खाद 2 बैग सुपर गोल्ड कैल्सी फर्ट वजन 10 किलो ग्राम, 2 बैग माइक्रो नीम वजन 20 किलो ग्राम और 50 किलो ग्राम अरंडी कि खली इन सब खादों को मिला कर मिश्रण तैयार कर प्रति एकड़ खेत में सामान मात्रा में बिखेर कर जुताई कर खेत तैयार कर बुवाई करें।

फसल 20 - 25 दिन कि हो जाये तब 2 किलो सुपर गोल्ड मैग्नीशियम 500 मी.ली. माइक्रो झाइम 400 लीटर पानी में मिलाकर अच्छी तरह घोलकर पम्प द्वारा तर बतर कर छिड़ काव करे दूसरा और जब - तीसरा हर छिड़काव 20 - 25 दिन पर लगातार करते रहें।

सिंचाई

ग्रीष्म ऋतु की फसल को अधिक सिचाइयों कि आवश्यकता होती है जबकि वर्षा ऋतु वाली फसल को कम सिचाइयों कि आवश्यकता पड़ती है गर्मियों में सिचाई 6-7 दिन के अंतर से 10-12 करते रहना चाहिए और वर्षा वाली फसल कि सिचाई दिन या आवश्यकतानुसार करते रहना चहिये अंतिम जून या जुलाई के प्रथम सप्ताह तक मिटटी चढ़ा देनी चाहिए यदि तने अधिक मात्रा में निकल रहे हों तो एक या दो मुख्य तनों को छोड़कर शेष सभी छटाई कर देनी चाहिए .

खरपतवार नियंत्रण

आवश्यकतानुसार प्रत्येक सिचाई के बाद - निराई गुड़ाई करे आमतौर पर 2-3 बार निराई गुड़ाई करने से काम चल जाता है .

कीट नियंत्रण

अरबी कि पत्तियां खाने वाले कीड़ों (सुंडी व मक्खी) द्वारा हानी होती है क्योंकि ये कीड़े नयी पत्तियों को खा जाते है .

रोकथाम

नीम का काढ़ा या गौ मूत्र का माइक्रो झाइम के साथमिलाकर छिडकाव करे .

रोग नियंत्रण

अरबी का झुलसा- यह रोग फाइटोफ्थोरा कोलोकेसी नामक फफूंदी के कारण होता है इसका प्रकोप - जुलाई अगस्त में होता है पत्तियों पर पहले गोल काले धब्बे पड़ जाते है बाद में पत्तियां गलकर गिर जाती है कंदों का निर्माण बिलकुल नहीं होता है।

रोकथाम

उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए, रोगी पौधों को उखाड़ कर जाला देना चाहिए। नीम का काढ़ा या गौ मूत्र का माइक्रो झाइम के साथ मिलाकर लगातार 15 - 20 दिन के अंतराल पर छिड़काव करते रहना चाहिए।

नीम का काढ़ा

25 ग्राम नीम कि पत्ती ताजा हरा तोड़कर कुचल कर पिस कर किलो 50 लीटर पानी में पकाएं जब पानी 20 - 25 लीटर रह जाये तब उतार कर आधा लीटर प्रति पम्प पानी में मिलाकर प्रयोग करे।

गौ मूत्र

देसी गाय का गौ मूत्र 10 लीटर लेकर पारदर्शी बर्तन कांच या प्लास्टिक में लेकर 10 - 15 दिन धुप में रख कर आधा लीटर प्रति पम्प पानी मिलाकर प्रयोग करे।

खुदाई

अरबी कि जड़ों कि खुदाई का समय जड़ों के आकार, जाति, जलवायु और भूमि कि उर्बर शक्ति पर निर्भर करता है इसकी फसल बोने के लगभग 3 महीने बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है पत्तियां सुख जाती है तब उनकी खुदाई करनी चाहिए .

उपज

प्रति हे 0 300-400 क्विंटल तक उपज मिल जाती है ।

भण्डारण

अरबी कि गांठों को ऐसे कमरे में रखना चाहिए जहा गर्मी न हो गांठों को कमरे में फैला दे गाठों को कुछ दिन के अंतरसे पलटते रहना चाहिए सड़ी हुयी गांठों को निकालते रहें इस प्रक्रिया से मिटटी भी झड जाती है आवश्यकतानुसार बाजार में बिक्री के लिए भी निकालते रहे - कही कही अरबी को सुखाने बाद स्वच्छ बोरों में भरकर भंडार गृह में रखते है

साल के अंतिम कारोबारी दिन गिराकर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के दोनों प्रमुख इंडेक्स साल के अंतिम कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुए। शुक्रवार को सेंसेक्स 170 अंक टूट गया। वहीं निफ्टी गिरकर 21,730 के पास आ गया। हालांकि ब्रॉड मार्केट में तेजी रही। इसके चलते निवेशकों को शुक्रवार भी बाजार से करीब 1.11 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.97 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद रहा। टेलीकम्युनिकेशंस, ऑटो, एफएमसीजी और सर्विसेज शेयरों में शुक्रवार को तेजी रही। वहीं दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, बैंकिंग और आईटी शेयरों के इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 170.12 अंक की गिरावट के साथ 72,240.26 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों का वाला सूचकांक, निफ्टी 72,240.26 अंक टूटकर 21,731.40 के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 29 दिसंबर को बढ़कर 364.11 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 28 दिसंबर को 363 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप शुक्रवार को करीब 1.11 लाख करोड़ या करीब 1,110 अरब रुपये बढ़ा है। सरल शब्दों में समझे तब निवेशकों की वेल्थ में करीब 1.34 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

नौ क्रिप्टो एक्सचेंज को भारत सरकार से मिला नोटिस

नई दिल्ली ।

भारतीय वित्त मंत्रालय ने क्रिप्टो एक्सचेंज ऑपरेटर बाइनेंस सहित नौ ऑफशोर वर्चुअल डिजिटल एसेट्स सर्विस प्रोवाइडर्स को शोकॉज नोटिस भेजा है। इसके अलावा आईटी मंत्रालय से कहा है कि स्थानीय मनी लॉन्ड्रिंग कानूनों का पालन किए बिना देश में अवैध रूप से संचालन करने के लिए उनके यूआरएल को ब्लॉक कर दिया जाए। हाल ही में जारी किए गए एक बयान में वित्त मंत्रालय ने कहा कि ऑफशोर और ऑनशोर वर्चुअल डिजिटल एसेट सेवा प्रदाता भारत में काम कर रहे हैं और वर्चुअल डिजिटल एसेट्स और फिएट मुद्राओं के बीच आदान-प्रदान, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स या इंस्ट्रूमेंट्स के हस्तांतरण और प्रशासन सहित गतिविधियों में शामिल हैं। उन्हें फाइनेंशियल इंटेली जेंस यूनिट-इंडिया के साथ पंजीकृत होना होगा और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के प्रावधानों का पालन करना होगा। वित्त मंत्रालय के बयान में कहा गया है, ऑब्लिगेशन एक्टिविटी बेस्ड है और भारत में भौतिक उपस्थिति पर निर्भर नहीं है।

मार्च 2025 तक तुअर, उड़द दाल आयात पर प्र तिबंध नहीं: सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कहा कि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को काबू में रखने के प्रयासों के तहत मार्च, 2025 तक तुअर और उड़द दाल के आयात पर कोई प्रे तिबंध नहीं होगा। तुअर और उड़द दाल को मुक्त श्रेणी में रखा गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि उड़द और तुअर की मुक्त आयात नीति को 31 मार्च, 2025 तक बढ़ा दिया गया है। फिलहाल इन दालों के लिए मुक्त आयात नीति मार्च, 2024 तक लागू है। सरकार ने 15 मई, 2021 से मुक्त श्रेणी के तहत तुअर, उड़द और मूंग दाल के आयात की अनुमति दी थी और यह 31 अक्टूबर, 2021 तक वैध थी। इसके बाद तुअर दाल और उड़द दाल के आयात के संबंध में मुक्त व्यवस्था बढ़ा दी गई।

ब्रेनबीज ने आईपीओ के जरिये पैसे जुटाने सेबी के पास दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली । आईपीओ बाजार में एक और कंपनी प्रवेश करने जा रही है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फर्स्टक्राई की मूल कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पैसे जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के समक्ष दाखिल दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ में 1816 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा 5.44 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। ये है डिटेलः बिक्री पेशकश में शेयर बेचने वालों में महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम), टीपीजी, न्यूक्रेस्ट एशिया, एसवीएफ फ्लॉग (केमैन) लिमिटेड, एप्रीकॉट इन्वेस्टमेंट्स, वैलेंट मॉरीशस, टीआईएमएफ, थिंक इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड, श्रोडर्स कैपिटल और पीआई अपॉर्चुनिटीज शामिल हैं। कंपनी के अनुसार नए आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल भारत के साथ-साथ सऊदी अरब में नई दुकानें और गोदाम खोलने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा पूंजी का उपयोग बिक्री, विपणन पहल के लिए किया जाएगा। बता दें कि फर्स्टक्राई मां-बच्चों से जुड़े उत्पाद बेचती है। आईपीओ का प्राइस बैंड तय होने वाला है। शेयरों की बिक्री कीमत बुक रनिंग लीड मैनेजर्स के परामर्श से ब्रेनबीज द्वारा निर्धारित की जाएगी। कोटक, मॉर्गन स्टेनली, बोफा सिक्योरिटीज, जेएम फाइनेंशियल और एवेंडस फर्स्टक्राई के प्रमुख प्रबंधक हैं। कंपनी को उम्मीद है कि विपणन, विस्तार, खुदरा वितरण, स्टॉक विकल्प पर उसके खर्चों से उनकी वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इंफ्रा का शेयर लिस्ट होने के तुरंत बाद ढहा

मुंबई । मैनेजमेंट कंपनी, इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट कंपनी इंफ्रा लिमिटेड के शेयर बाजार में लिस्ट हो गए। 72 रुपये की कीमत पर इसका शेयर एनसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुआ। गौरतलब है कि यह कीमत कंपनी के आईपीओ के प्राइस बैंड से करीब 11 फीसदी ज्यादा है। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद ही शेयर टूटने लगे 5 फीसदी से ज्यादा कि गिरावट के बाद शेयर 68.40 रुपये पर आ गया और लोअर सर्किट लग गया। इंफ्रा का आईपीओ 14.04 करोड़ रुपये की कीमत पर 21 दिसंबर को खुला था और 26 दिसंबर को बंद हुआ। 65 रुपये प्रति शेयर पर बोली लगाने के लिए प्राइस बैंड फिक्स था। इंडिफ्रा का आईपीओ 7.21 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ। रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व हिस्से को 12.07 गुना और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व हिस्से को 2.34 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। 21.6 लाख नए शेयर पब्लिक इश्यू में जारी किए गए। बता दें कि 2009 में बनी इंडिफ्रा लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट कंपनी है। गुजरात के आणंद स्थित यह कंपनी मुख्यतः इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्टिंग, गैस पाइपलाइन लेयिंग और इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट डिस्ट्रीब्यूशन सर्विसेज मुहैया कराती है। इंडिफ्रा पुराना नाम स्टारलीड्स कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 30 जून 2023 तक कंपनी का राजस्व 64.28 लाख रुपये और मुनाफा 3.54 लाख रुपये था।

एलन मस्क ने प्रति घंटे 100 करोड़ और अंबानी ने 8.80 करोड़ कमाए

नई दिल्ली ।

विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क इस साल अब तक 101 अरब डॉलर की आय अर्जित कर चुके हैं। मस्क का नेटवर्थ अब 238 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस साल अब तक 361 दिन में मस्क 84,10,27,00,00,000 रुपये कमा चुके हैं। उनकी हर घंटे की कमाई भारतीय रुपये में करीब 100 करोड़ होती है। दूसरी ओर एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी ने हर घंटे अपनी संपत्ति में ₹8.80 करोड़ जोड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क की कुल संपत्ति 27 दिसंबर 2023 तक 239 अरब डॉलर हो गई है। इसमें केवल इस साल ही 101 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इसको 83.27 रुपये प्रति डॉलर के हिसाब से देखें तो यह रकम 84,10,27,00,00,000 करोड़ होती है। अगर इसे 361 से भाग दें तो यह रकम 23,29,71,46,814 होगी। यानी पिछले इस साल हर दिन मस्क ने औसतन 23.29 अरब रुपये अपनी संपत्ति में जोड़े। और अगर इसे घंटे के हिसाब से देखें तो एलन मस्क ने 2023 में हर घंटे 97,07,14,450.60 रुपये कमाया। यानी हर मिनट मस्क की संपत्ति 1,61,78,574.17 रुपये बढ़ती गई। वहीं अगर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की बात करें तो उनकी संपत्ति में इस साल अब तक 9.16 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इनकी संपत्ति 762,753,200,000 रुपये बढ़ी। अंबानी की हर दिन की औसत कमाई 2,11,28, 89,750.69 रुपये और घंटे 8,80,37,072.94 रुपये रही। यानी अंबानी की कमाई हर मिनट 14,67,284.54 रुपये रही।

राम मंदिर उदघाटन पर 50,000 करोड़ के कारोबार होने का अनुमान

- देशभर में तैयारियां जोरों पर, बड़ी संख्या में रामभक्त अयोध्या पहुंचेंगे

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसमें रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 को होगा। इसके लिए देशभर में तैयो रियां जोरों पर चल रही हैं। बड़ी संख्या में रामभक्तों के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। साथ ही इस मौके को यादगार बनाने के लिए पूरे देश में शानदार तैयारियां की जा रही हैं। इसे कारोबार के लिहाज से भी बहुत ही अहम माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि राम मंदिर के उदघाटन के मौके पर देशभर में 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने की उम्मीद है। कारोबारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन देशभर में 50,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यापार होने का अनुमान है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर देशभर में श्रीराम मंदिर के उदघाटन को लेकर एक जनवरी से अभियान चलाने की घोषणा की गई है।

इससे देशभर के लोगों में उत्साह दिख रहा है। खंडेलवाल ने बताया कि देश के सभी बाजारों में भगवान राम से जुड़ी चीजों की भारी मांग देखी जा रही है। इनमें श्री राम ध्वजा, श्री राम अंगवस्त्र सहित श्रीराम के चित्र से अंकित मालाएं, लॉकेट, चाबी की रिंग, राम दरबार के चित्र, राम मंदिर के

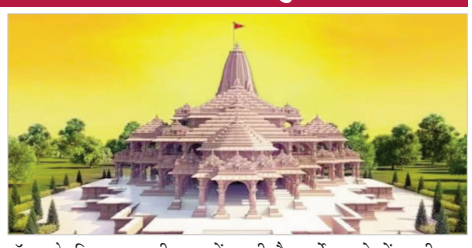

मॉडल के चित्र, सजावटी लटकनें और कड़े सहित अनेक प्रकार का सामान शामिल हैं। साथ ही श्रीराम मंदिर के मॉडल की भी भारी मांग है। इसे हार्डबोर्ड, पाइनवुड और लकड़ी से अलग-अलग साइज में तैयार किया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय कारीगरों को रोजगार मिल रहा है। साथ ही कुर्ते, टी-शर्ट एवं दूसरे कपड़ों पर श्रीराम मंदिर के मॉडल की हाथ से कढ़ाई या फिर छपाई हो रही है। कुर्ते बनाने में खादी का उपयोग किया जा रहा है। 22 जनवरी को देशभर में दिवाली मनाने का आह्वान किया गया है। इससे मिट्टी के दिये, रंगोली बनाने के सामान, फूल, बाजारों एवं घरों में रोशनी के लिए बिजली के सामान की भारी मांग है। इससे कारोबार में तेजी आएगी। साथ ही बड़ी संख्या में होर्डिंग, पोस्टर, बैनर, पत्रक और स्टीकर बगैरह तैयार किए जा रहे हैं।

गुजरात में पिछले कुछ वर्षों से लगातार बढ़ रहा है प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

- गुजरात को अक्टूबर 2019 से मार्च 2023 तक 2.39 लाख करोड़ का एफडीआई प्राप्त हुआ

अहमदाबाद ।

गुजरात एफडीआई आकर्षित करने वाले शीर्ष भारतीय राज्यों में से एक है, उसे अक्टूबर 2019 से मार्च 2023 के बीच 2.39 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल हुआ। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार राज्य सरकार के प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में एफडीआई में लगातार वृद्धि हुई है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) ने इसे प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वीजीजीएस का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी के बीच राज्य की राजधानी गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। एक वेबसाइट के अनुसार राज्य में 2022-23 में सालाना आधार पर एफडीआई में करीब 84 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक है। वेबसाइट के अनुसार 2021 में लागू किए गए कुल औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन या आईईएम (1.04 लाख करोड़ रुपये) में गुजरात का योगदान 30 प्रतिशत रहा। यह सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक था। अधिकारियों ने बताया कि अपने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, संपर्क और योग्य कार्यबल के साथ राज्य सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पहल के तहत गुजरात में कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इसमें निवेशक सुविधा मंच की स्थापना, स्वीकृतियां तथा लाइसेंस ऑनलाइन जारी करना,

डिजिटलीकृत भूमि बैंक तथा स्व-प्रमाणन शामिल है। अे धिकारी के अनुसार वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के पहले संस्करणों में कोई भागीदार देश नहीं थे। 2019 से व्यापक निवेशक बैठक में 15 भागीदार देश शामिल हुए।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स 3,244 करोड़ के नए ठेके मिले

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी कल्पतरु को उसकी विदेशी अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के साथ 3,244 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। कंपनी ने इसके साथ ही भूमिगत मेट्रो रेल सुरंग क्षेत्र में भी प्रवेश की घोषणा की है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) के अनुसार एक भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना के डिजाइन तथा निर्माण का ठेका मिला है। कंपनी इसके साथ ही टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) टनलिंग स्कोप तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी व्यवसाय में प्रवेश कर रही है। बयान के अनुसार केपीआईएल को अपने संयुक्त उद्यमों (जेवी) और विदेशी अनुषंगी कंपनियों के साथ 3,244 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। इसके अलावा कंपनी को विदेशी बाजारों से ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) व्यवसाय से जुड़े भी ठेके मिले हैं। केपीआईएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बयान में कहा` कि हमें विभिन्न व्यवसायों में ठेके मिलने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। भूमिगत मेट्रो रेल सुरंग परियोजना में हमारा प्रवेश टिकाऊ शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का दर्शाता है। कंपनी वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं पर काम कर रही है। इसकी 70 से अधिक देशों में पहुंच है।

बीमा कंपनियों ने 42,322 करोड़ एजेंटों को दिया कमीशनः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2022-23 में जीवन बीमा कंपनियों ने अपने एजेंटों को 42,322 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। एक साल पहले 35,877 करोड़ कमीशन दिया गया था। यह कुल प्रीमियम की तुलना में 5.41 फीसदी है। एक साल पहले यह 5.38 फीसदी था। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडाई) की रिपोर्ट के अनुसार प्रीमियम की तुलना में कमीशन की वृद्धि ज्यादा रही है। कुल कमीशन 17.93 फीसदी बढ़ा है जबकि कुल प्रीमियम की वृद्धि 13 फीसदी के करीब रही है। निजी कंपनियों ने सरकारी कंपनियों की तुलना में ज्यादा कमीशन दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक नए प्रीमियम के एवज में निजी कंपनियों का कमीशन 10.94 फीसदी से बढ़कर 15.78 फीसदी हो गया है। जबकि एलआईसी ने इसी समय में 27.61 फीसदी कमीशन दिया है जो एक साल पहले के 26.55 फीसदी की तुलना में एक फीसदी ही ज्यादा है। निजी जीवन बीमा कंपनियां यूलिप की तुलना में एंडोमेंट प्लान और टर्म इंश्योरेंस सहित गैर-लिंक्ड योजनाओं को बेचने पर अधिक ध्यान दे रही हैं, जिसमें कमीशन में अधिक वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र की बीमा कंपनियों ने 20,145 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। नए प्रीमियम में गिरावट के बावजूद कंपनियों ने कमीशन बढ़ा दिया है। 2021-22 में निजी कंपनियों को कुल 73,943 करोड़ प्रीमियम मिला था जो 2022-23 में घटकर 70,834 करोड़ रह गया। सरकारी कंपनियों का प्रीमियम इसी दौरान 36,649 करोड़ से बढ़कर 39,084 करोड़ हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पहले साल के प्रीमियम के लिए 27.61 फीसदी कमीशन एजेंटों को दिया है। यानी अगर आप 100 रुपये प्रीमियम देते हैं तो 27.61 रुपये एजेंटों को कमीशन के रूप में चला गया। गैर लिंक्ड पॉलिसियों से 5.06 लाख करोड़ रुपये का प्रीमियम मिला है जो एक साल पहले 4.46 लाख करोड़ रुपये था। दूसरी ओर लिंक्ड पॉलिसियों से 91,479 करोड़ का प्रीमियम मिला जो एक साल पहले 88,625 करोड़ रुपये था। कुल प्रीमियम में पारंपरिक उत्पादों का योगदान 86.59 फीसदी रहा है। यूलिप का 13.41 फीसदी रहा है। पारंपरिक पॉलिसियों का कारोबार 14.40 फीसदी जबकि यूलिप का केवल 4.61 फीसदी बढ़ा है।

नए साल से पेट्रोल और डीजल 10 रुपए तक सस्ता होगा!

नई दिल्ली ।

नए साल में मोदी सरकार आम जनता को सौगात देने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि नए साल पर मोदी सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ताबड़तोड़ कमी कर सकती है।

सूत्रों के मुतो बिक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 6 से 10 रुपए तक की कटौती की जा सकती है। गौरतलब है कि पिछले लगभग सालभर से अधिक समय

मिला है। जबकि कच्चे तेल के दाम में भारी कटौती हुई है। जानकारी के अनुसार पेट्रोल और डीजल के भाव में कटौती करने के लिए केंद्र सरकार तेल कंपनियों से बात कर रही है, ताकि आने वाले दिनों में जनता को राहत दी जा सके। हालांकि, सरकार यह राहत कब देगी, इसके बारे में कोई तय तारीख नहीं सामने आई है, लेकिन माना जा रहा है कि या तो नए साल की शुरुआत में जनता को पेट्रोल-डीजल के भाव में कमी का और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत के हिसाब से पेट्रोल और डीजल के भाव घटते-बढ़ते रहते हैं।

78.71 डॉलर पर आ गई है। सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के पास तेल के दाम कम करने का खाका तैयार है

एसबीआई सहित देश के तीन बैंक कभी डूब नहीं सकतेः आरबीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अगस्त, 2015 से हर साल इसी महीने में वित्तीय प्रणली के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंकों के नामों की जानकारी देनी पड़ती है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक पिछले साल की तरह ही श्रेणी आधारित संरचना में बना हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) समेत देश में तीन ऐसे बैंक हैं, जिनमें आपका पैसे सबसे सुरक्षित है। ये तीनों ऐसे बैंक हैं, जो डूब नहीं सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का कहना है कि एसबीआई के अलावा एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक घरेलू वित्तीय प्रणाली के स्तर पर ये इतने बड़े बैंक हैं कि डूब नहीं सकते। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक पिछले साल की तरह ही श्रेणी आधारित संरचना में बना हुआ है। वहीं एसबीआई और एचडीएफसी बैंक उच्च श्रेणी में चले गए हैं। नियमों के अनुसार ऐसे संस्थानों को प्रणाली के स्तर पर महत्व के आधार पर चार श्रेणी में रखा जा सकता है।

एसबीआई श्रेणी तीन से श्रेणी चार में और एचडीएफसी बैंक श्रेणी एक से श्रेणी दो में स्थानांतरित हो गया। घरेलू स्तर पर व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंक डी-एसआईबी को लेकर एक अप्रैल, 2025 से एसबीआई के लिए अधिभार 0.8 फीसदी होगा।

टाटा कॉफी और टाटा कंज्यूमर के शेयर का होगा मर्जर

- टीसीपीएल के साथ होगी शुरुआत

मुंबई ।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और टीसीपीएल बेवरेजेज एंड फूड्स का मर्जर होने वाला है। एक जनवरी से ये मर्जर प्रभावी होगा। इस संबंध में कंपनी ने यह जानकारी साझा की है। कंपनी के मुताबिक इस मर्जर के होने के बाद टाटा कॉफी लिमिटेड का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। कंपनी के बयान के मुताबिक इस मर्जर के साथ ही टाटा कॉफी की बागान इकाई को अलग कर टाटा समूह की दूसरी इकाई टीसीपीएल बेवरेजेज एंड फूड्स में मिला दिया जाएगा। गौरतलब है कि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और टाटा कॉफी के सभी व्यवसायों के विलय के साथ कंपनी की तालमेल और दक्षता को अनलॉक किया जाएगा। इससे पहले टीसीपीएल ने तालमेल और दक्षता में सुधार करने की रणनीतिक प्राथमिकता के मुताबिक पुनर्गठन योजना के तहत टाटा कॉफी के सभी कारोबारों को सहायक कंपनियों के साथ विलय की घोषणा की थी। इसी बीच कंपनियों के निदेशक मंडल ने को विधिवत पूरा किया गया है। नया मर्जर 1 जनवरी, 2024 को योजना प्रभावी हो जाएगा। इसके बाद कंपनी बिना समापन के भंग हो जाएगी। वहीं कंपनी के निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का कार्यालय उस तारीख को बिना किसी कार्रवाई के खाली हो जाएगा। कंपनी के लिए टीसीएल के शेयरधारकों को निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि 15 जनवरी, 2024 है। इस तिथि तक ही टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में शेयर प्राप्त करने के पात्र होंगे, जो कि डिमर्जर और समामेलन के अनुसार आवंटित किए जाएंगे। टाटा कॉफी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 28 दिसंबर को अपने 52-सप्ताह के स्तर पर 309.05 रुपये पर पहुंच गए। शेयर 1.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 308.4 रुपये पर बंद हुए। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का स्टॉक 2.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ दिन के उच्चतम स्तर 1,048.55

टीम इंडिया ने सेंचुरियन टेस्ट हारकर गंवाई नंबर वन की पोजीशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंचुरियन टेस्ट हारकर भारतीय क्रिकेट टीम ने नंबर वन की पोजीशन गंवा दी है। अब वह पांचवे नंबर पर पहुंच गई है। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार का खामियाजा भुगतना पड़ा है। जानकारी के अनुसार सेंचुरियन में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को पारी और 32 रन से हराकर 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टीम इंडिया इस हार के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 प्वॉइंट टेबल में 5वें नबर पर फिसल गई है। इस टेस्ट मैच से पहले भारत डब्ल्यूटीसी प्वॉइंट टेबल में पहले नंबर पर था। साउथ अफ्रीका की टीम 8वें से पहले नंबर पर पहुंच गई है। इस टेस्ट मैच से पहले भारत का पहली टेस्ट सीरीज के बाद जीत का प्रतिशत 66.67 प्रतिशत था। सेंचुरियन टेस्ट हार के बाद भारत का जीत का प्रतिशत घटकर 44.44 पर पहुंच गया है। बता दें ?कि प्वॉइंट टेबल में बांग्लादेश की टीम अब टीम इंडिया से आगे हो गई है।

टीम इंडिया डब्ल्यूटीसी के नए चक्र में अभी तक 3 टेस्ट मैच खेल चुकी हैं जहां उसे एक में जीत मिली है जबकि एक टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा है वहीं एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। साउथ अफ्रीका ने मौजूदा चक्र में एक टेस्ट मैच खेले और उसे जीते। साउथ अफ्रीका की टीम का जीत का प्रतिशत 100 है और वह नंबर वन पर पहुंच गया है वहीं दूसरे नंबर पर पाकिस्तान की टीम है। पाकिस्तान ने 3 टेस्ट में से 2 जीते हैं जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान की जीत का प्रतिशत 61.11 है। इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की टीम 50.00 विनिंग पर्सेंटेज के साथ तीसरे नंबर पर है।

हालांकि बांग्लादेश की टीम 2 में से एक टेस्ट जीत चुकी है। बांग्ला टाइगर्स की विनिंग पर्सेंटेज 50.00 है और वह प्वॉइंट टेबल में चौथे नंबर पर है जबकि टीम इंडिया बांग्लादेश से नीचे पांचवें नंबर पर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका का नंबर आता है। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के तहत ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक सर्वाधिक 6 टेस्ट मैच खेले हैं जहां उसे 3 में जीत मिली है वहीं दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। बता दें कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट 3 जनवरी से मेलबर्न में खेला जाएगा। इस टेस्ट का रिजल्ट आने के बाद प्वॉइंट टेबल में बदलाव होगा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की ईनामी राशि में भारी बढ़ोतरी, अब मिलेंगे 8.65 करोड़ डॉलर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस अधिकारियों ने 14 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू हो रहे वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि में एक करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का इजाफा करने की घोषणा की है।

टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिले ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि अब इस ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि आठ करोड़ 65 लाख आस्ट्रेलियाई डॉलर होगी। उन्होंने कहा, 'हमने आस्ट्रेलियाई ओपन में हर दौर के लिए ईनामी राशि बढ़ाई है। ज्यादा इजाफा क्वालीफाइंग और शुरूआती दौर के मुकाबलों के लिए किया गया है।'

पहले दौर के क्वालीफायर को 31250 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिलेंगे जो पहले से 20 प्रतिशत अधिक है। महिला और पुरूष चैम्पियन दोनों को 30 लाख 15 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर बतौर पुरस्कार मिलेंगे। पिछली बार एरिना सबालेंका ने महिला वर्ग में और नोवाक जोकोविच ने पुरूष वर्ग में खिताब जीता था।

तीन महीने पहले हर कोई मेरी आलोचना कर रहा था : राहुल

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने सर्जरी के बाद वापसी करते हुए अच्छी बल्लेबाजी की है। राहुल ने इससे पहले एकदिवसीय विश्वकप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। राहुल ने अब यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विपरीत हालातों में शानदार शतक लगाया है जिसकी हर कोई प्रशंसा कर रहा है।

इसी के बा राहुल का दर्द छलका है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आज सभी मेरी तारीफ कर रहे है पर तीन माह पहले सब कुछ इसके विपरीत था। तब हर कोई मेरी आलोचना करते हुए कमी निकाल रहा था। राहुल के लिए इस साल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। तब उन्हें टी20 टीम से खराब फॉर्म के कारण बाहर कर दिया था। इसके बाद आईपीएल के दौरान वह चोटिल हो गए जिस कारण से उन्हें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल सहित कई मैचों से बाहर कर दिया गया था। इस दौरान सोशल मीडिया पर राहुल को लोगों के ताने सुनने पड़े थे।

राहुल ने कहा कि तब उनके लिए इस प्रकार की बातों से निपटना कठिन था। साथ ही कहा कि जब आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं तो सभी प्रकार की चुनौती मिलती है जिसका सामना करना पड़ता है। एक क्रिकेटर के तौर पर आपको हर दिन हर पल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

साथ ही कहा कि सोशल मीडिया पर कही जा रही बातों का भी दबाव रहता है हालांकि ये सब खेल का हिस्सा है पर ये प्रभावित नहीं करता ऐसा नहीं कहा जा सकता है। इस प्रकार की बातों से दूर होकर ही आप अपने खेल को बेहतर बना सकते हैं।

शमी के स्थान पर अवेश खान को मिला भारतीय टीम में मौका

-दूसरे टेस्ट मैच के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम को किया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम को अपडेट किया है। अब चोटिल मोहम्मद शमी के स्थान पर अवेश खान को लिया गया है। दूसरा मैच 3 जनवरी से न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड, केपटाउन साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा। बता दें कि शमी को 30 नवंबर को घोषित टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। लेकिन वरिष्ठ तेज गेंदबाज को बाद में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर कर दिया गया क्योंकि वह टखने की चोट से उबर नहीं पाए थे। गौरतलब है कि घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए खेलने वाले आवेश वर्तमान में बेनोनी के विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच में भारत ए के लिए खेल रहे हैं जहां

उन्होंने 23.3 ओवरों में 5/54 रन बनाए, जिसमें 2.3 की इकॉनमी दर रही। 38 प्रथम श्रेणी मैचों में आवेश ने 22.65 की औसत और 3.12 की इकॉनमी रेट से 149 विकेट लिए हैं जिसमें सात बार 5 विकेट लेने का कमाल भी शामिल है।

बता दें कि अवेश को सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के लिए चुना गया है। उन्होंने 19 टी20आई और आठ एकदिवसीय मैच खेले हैं। जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती वनडे में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अवेश ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4-27 का आंकड़ा हासिल किया। इस बीच भारत पर सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और दो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक काट लिए गए जहां वे एक पारी और 32 रनों से हार गए थे।

दूसरे टेस्ट के लिए भारत की टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद। सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, अवेश खान को शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच बारिश की भेंट चढ़ा

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच शुक्रवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में केवल 11 ओवर ही डाले जा सके जिसके बाद बारिश के कारण इसे रद्द करना पड़ा। इससे बांग्लादेश की टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाये है। मैच समय पर शुरू हुआ और 11 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर दो विकेट पर 72 रन था जिसके बाद तेज बारिश आ गई जो पूरे समय होती रही और मैच रद्द कर दिया गया। श्रृंखला का तीसरा मैच रविवार को इसी स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रृंखला के पहले टी20 मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करने वाली बांग्लादेश ने शुक्रवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को बल्लेबाजी का न्योता दिया था। फिन एलेन दूसरे ही ओवर में आउट हो गये लेकिन टिम सिफर्ट ने छह चौके और एक छक्के से 23 गेंद में 43 रन बनाये। अंपायरों ने तब मैच रद्द किया जब पांच ओवर शूटआउट की संभावना भी नहीं दिख रही थी।

रणजी ट्रॉफी में कर्नाटक की कप्तानी करेंगे मयंक

बेंगलुरु। बल्लेबाज मयंक अग्रवाल अगले साल की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी सत्र के पहले 2 मैचों के लिए कर्नाटक टीम की कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं टीम के उपकप्तान की जिम्मेदारी निकिन जोस को मिली है। वहीं केएल राहुल रणनी में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें अगले साल की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट खेलने हैं। मयंक ने 2022-23 घरेलू सत्र में नौ मैचों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 990 रन बनाए जिसमें 3 शतक और 6 अर्धशतक भी हैं। कर्नाटक की टीम को पंजाब के खिलाफ हुबली में 5 से 8 जनवरी तक पहला जबकि अहमदाबाद में 12 से 15 जनवरी के बीच गुजरात से दूसरा मैच खेलना है।

टीम इस प्रकार है : मयंक अग्रवाल (कप्तान), रविकुमार समर्थ, देवदत पड्डिकल, निकिन जोस, मनीष पांडे, शुभांग हेगडे, शरत श्रीनिवास, विशाख विजयकुमार, वासुकी कौशिक, विद्वत कावेरप्पा, के शशिकुमार, सुजय सतेरी, डी निश्चल, एम वेंकटेश, किशन एस बेडारे, एसी रोहित कुमार।

हार से गुस्साए सुनील गावस्कर ने अभ्यास मैच नहीं खेलने पर लगाई लताड़

नई दिल्ली। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अभ्यास मैच नहीं खेलने के कारण टीम को लताड़ लगाई है। उन्होंने सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में बॉक्सिंग डे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से पारी की हार के बाद अभ्यास की कमी के लिए भारतीय टीम की आलोचना की। मेजबान टीम से हार के बाद भारतीय टीम के लिए अंतिम सीमा पर विजय पाना एक सपना बना हुआ है, जो 2 मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए बेहतर तैयार दिख रही थी।

बहुप्रतीक्षित बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 3 दिनों के भीतर समाप्त हो गया क्योंकि मेहमान टीम प्रोटियाज के खिलाफ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में विफल रही। भारत की पहली पारी में केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीकी तेज आक्रमण के खिलाफ बल्ले से मोर्चा संभाला और पहली पारी में 101 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत का कुल स्कोर 245 तक पहुंचाया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने डेन एल्गर की 185 रनों की पारी और मार्को जानसन के 84 रनों के महत्वपूर्ण योगदान से 408 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत अपनी दूसरी पारी में मात्र 131 रन पर ढेर हो गया जिसमें विराट कोहली 76 रन की पारी के साथ अकेले डटे रहे। हार पर गावस्कर ने कहा कि कारण स्पष्ट हैं, आपने यहां कोई मैच नहीं खेला। यदि आप सीधे टेस्ट मैच खेलते हैं, तो यह काम नहीं करेगा। हां आपने भारत ए टीम भेजी थी। भारत ए टीम को वास्तव में दौरे से पहले आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां आने के बाद आपको अभ्यास मैच खेलने की जरूरत है। इंट्रा-स्क्वाड एक मजाक है क्योंकि क्या आपके तेज गेंदबाज आपके बल्लेबाजों को बहुत तेज गेंदबाजी करेंगे, क्या वे बाउंसर फेंकेंगे क्योंकि वे अपने बल्लेबाजों को घायल करने से डरेंगे।

कमिंस-स्टार्क की घातक गेंदबाजी, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को हराकर बनाई अजेय बढ़त

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न-पैट कमिंस के पांच विकेट, मिचेल स्टार्क चार विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने आज दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में चौथे दिन पाकिस्तान को 79 रनों से हरा दिया है और इसी के साथ श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 318 रन बनाए थे। वहीं पाकिस्तान की पहली पारी 264 रन पर सिमट गई। इस तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम को 54 रन की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 262 रन पर सिमटी थी और इस तरह पाकिस्तान पर उनकी कुल बढ़त 316 रन की हुई थी। कमिंस 49 रन पर पांच विकेट और स्टार्क 55 रन पर चार विकेट की बदौलत 317 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान को दूसरी पारी 237 रन पर समेटते हुए 79 रनों से मुकाबल जीत लिया।

मुश्किल 317 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही और उसके सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक चार रन और इमाम उल हक 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद कप्तान शान मसूद ने बाबर आजम के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी। मसूद ने 71 गेंद में सात चौके की मदद से 60 रन की पारी खेली। उन्हें कमिंस ने स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया।

वहीं बाबर आजम 79 गेंद में चार चौके की मदद से 41 रन बनाए उन्हें हेजलवुड ने बोल्ड आउट हुए। सऊद शकील 25 रन, मोहम्मद रिज़वान 35 रन और आगा सलमान 50 बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने पाकिस्तान के पुछल्ले बल्लेबाजों में से तीन खिलाड़ी आमिर जमाल, शाहीन अफरीदी और मीर हमजा शून्य पर पवेलियन भेज

दिया। पाकिस्तान की पारी 67.2 ओवर में 237 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस पांच विकेट लिए। वहीं, मिचेल स्टार्क को चार विकेट मिले। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला।

इस टेस्ट मैच मे पैट कमिंस ने दोनों पारियों में दस विकेट लिए है। इससे पहले कल ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और उसने एक समय 16 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड शून्य पर आउट हुए। डेविड वॉर्नर छह रन और मार्नस लाबुशेन चार रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

इसके बाद स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श ने पारी को संभालते हुए पांचवें विकेट के लिए 153 रन की साझेदारी की। मार्श ने टेस्ट करियर का सातवां अर्धशतक लगाया। वह 130 गेंद पर 13 चौके की मदद से 96 रन बनाकर आउट हुए। वहीं स्टीव स्मिथ 176 गेंद में तीन चौके की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही दिन का खेल समाप्त करने की घोषणा की उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर छह विकेट पर 187 रन था और उसने 241 रनों की बढ़त बना ली थी। पाकिस्तान की ओर से मीर हमजा और शाहीन अफरीदी ने तीन-तीन विकेट लिए हैं।

इससे पहले पैट कमिंस और नाथन लायन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मैच के तीसरे दिन सुबह के सत्र में पाकिस्तान को 264 रनों पर समेटते हुए 54 रनों की बढ़त ले ली है। कमिंस ने मोहम्मद रिजवान 42 रन को वॉर्नर के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को सातवां झटका दिया। इसके बाद लायन ने शाहीन शाह अफरीदी 21 रन को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। हसन अली दो रन, मीर हमजा दो रन बनाकर आउट हुए। दोनों ही विकेट कमिंस और लायन ने लिए। इसके साथ ऑस्ट्रेलिया ने 73.5 ओवर में पाकिस्तान को 264 के स्कोर पर समेट दिया। इसी के साथ पहली पारी के बाद मेजबान आस्ट्रेलिया को 54 रनों की बढ़त मिल गई है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कमिंस ने पांच विकेट लिये और लायन ने चार बल्लेबाजों को आउट किया। वहीं जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला।

पाकिस्तान के दो बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक 62 रन और कप्तान शान मसूद 54 रन के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चल पाया, पांच बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 318 रनों समेटने बाद संभल कर शुरुआत की, लेकिन 16वें ओवर की चौथी गेंद पर लायन ने सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक 10 रन को मार्नस के हाथों कैच आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। इसके बाद 35वें ओवर में कमिंस ने अपनी गेंद पर अब्दुल्लाह शफीक 62 रन पर आउट होने पर पाकिस्तान को दूसरा झटका लगा। इसके बाद बाबर आजम एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्हें कमिंस ने बोल्ड आउट किया।

भारत में अपने टूर्नामेंटों का आयोजन करना चाहता है एसीबी

मुम्बई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) भारत में अपने अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजना करना चाहता है। इसके लिए एसीबी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से बात कर उसकी अनुमति चाहता है। इससे पहले भी अफगानिस्तान टीम ने भारत में अपने टूर्नामेंट खेले हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को अगले साल टी-20 विश्व कप के बाद जुलाई में बांग्लादेश के विरुद्ध टेस्ट और सीमित ओवरों के क्रिकेट की सीरीज खेलनी है। उसी के लिए टीम अपनी तैयारियों के लिए भारत में टूर्नामेंट खेलना चाहती है। एसीबी अपना टूर्नामेंट लखनऊ में आयोजित करना चाहता है। इससे पहले अफगान टीम ने भारत में लखनऊ, ग्रेटर नोएडा और देहरादून में अपने मुकाबले खेले हैं। एसीबी ने इसके बाद अपने टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में भी रखे थे। पिछले साल नवंबर में एसीबी ने यूएई में अगले पांच साल तक अपनी घरेलू सीरीज कराने का करार किया था पर अब यहां होने वाले भारी खर्च को देखते हुए वह यूएई की जगह इन मैचों को भारत में आयोजित करना चाहता है। एसीबी की परेशानी ये है कि सुरक्षा कारणों से कोई भी टीम उसके यहां नहीं जाना चाहती है। ऐसे में उसे अपने सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर ही खेलने पड़ते हैं। आईसीसी से मान्यता मिलने के बाद से ही अफगान टीम भारत में खेलती आई है। इसके साथ ही वह अपने अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजन भी भारत में करती रही है। बीसीसीआई ने भी अब तक उसका सहयोग किया है।

सीनियर कलात्मक जिम्नास्टिक स्पर्धा से वापसी करेगी दीपा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष जिम्नास्ट दीपा करमाकर अगले सप्ताह भुवनेश्वर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप चैम्पियनशिप में भाग लेंगी। यह सीनियर कलात्मक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप दो से चार जनवरी तक खेली जाएगी। दीपा के अलावा इस चैंपियनशिप में प्रणति नायक, योगेश्वर सिंह, राकेश पात्रा, तपन मोहंती, सैफ तंबोली और गौरव कुमार जैसे खिलाड़ी भी शामिल होंगे। दीपा के कोच बिश्वेश्वर नंदी ने कहा, ''दीपा सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। पिछली बार उसने साल 2015 में इस घरेलू प्रतियोगिता में खेला था। यह उसकी अंतिम राष्ट्रीय चैंपियनशिप होगी।'' दीपा ओलंपिक खेलने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट है। वह ट्रायल में शीर्ष पर रहने के बाद भी चीन में हुए एशियाई खेलों के लिए शामिल नहीं थी। इसका कारण है कि दीपा भारतीय खेल प्राधिकरण की पात्रता मापदंड को पूरा नहीं कर पायी थी। पात्रता मापदंड के अनुसार जिम्नास्ट का स्कोर पिछले एशियाई खेलों में आठवें नंबर पर रहे जिम्नास्ट के बराबर होना चाहिए। दीपा चोटिल होने के कारण भी काफी समय बाहर थीं। इसके अलावा उन पर डोपिंग के आरोप में 21 महीने का प्रतिबंध भी लगा था। कोच ने हालांकि कहा कि दीपा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद नहीं छोड़ी है। दीपा घुटने की हल्की चोट से भी उबर गयी हैं।

साउथ अफ्रीका से करारी हार के बाद रोहित का छलका दर्द

-टीम के सामूहिक प्रयास की बताई जरूरत, गेंदबाजों पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका से करारी हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा का दर्द छलका है। हालांकि बेहतरीन गेंदबाजी के बाद भी उन्होंने हार का टीकरा सामूहिक रुप से फोड़ दिया है। बता दें कि टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन टेस्ट मैच में एक पारी और 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारत का साउथ अफ्रीकी जमीन पर टेस्ट सीरीज जीतने का सपना फिर चकनाचूर हो गया। अब यदि भारतीय टीम दूसरा टेस्ट जीत भी लेती है तो वह सीरीज को बराबर ही कर पाएगी। टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला 3 जनवरी से केपटाउन में खेला जाना है। पहले टेस्ट में टीम इंडिया की हार पर कप्तान रोहित शर्मा ने दोनों ही पारियों में खराब बल्लेबाजी को हार का प्रमुख कारण बताया। साथ ही रोहित गेंदबाजों के प्रदर्शन से भी उतने खुश नहीं दिखाई दिए। रोहित ने कहा कि जीत के लिए पूरी टीम को सामूहिक प्रयास करना होगा, जो इस मैच में हो ना पाया। हालांकि रोहित ने शतक जड़ने वाले केएल राहुल की तारीफ भी की। रोहित शर्मा ने मैच की समाप्ति के बाद कहा, हम जीतने के लिए अच्छे नहीं थे। पहले बल्लेबाजी करने के आमंत्रित किए जाने के बाद केएल ने अच्छी बैटिंग करके हमें वह स्कोर दिलाया, लेकिन फिर हम गेंद से परिस्थितियों का फायदा नहीं उठा सके।

कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि कुछ खिलाड़ी पहले भी यहां आ चुके हैं। हम जानते हैं कि क्या उम्मीद की जानी चाहिए और हर किसी की अपनी योजना है। हमारे बल्लेबाजों को चुनौतीपूर्ण स्थिति मिली और वे अच्छी तरह से उसमें खरे नहीं कर सके। यह एक बाउंड्री स्कोरिंग मैदान है, हमने उन्हें कई बड़े स्कोर बनाते देखा है। लेकिन हमें प्रतिद्वंद्वी और उनकी ताकत को भी समझने की जरूरत है। हमने दोनों पारियों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, इसलिए हम यहां खड़े हैं। रोहित ने बताया कि 3 दिनों के भीतर खेल खत्म हो गया, जिसे पॉजिटिव साइन नहीं कहा जा सकता। लेकिन केएल ने दिखाया कि हमें इस तरह की पिच पर क्या करने की जरूरत है।

गौरतलब है कि टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 245 रन बनाए। केएल राहुल ने 14 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 137 गेंदों पर 101 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से सबसे सफल गेंदबाज कगिसो रबाडा रहे, उन्होंने 5 विकेट लिए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 408 रन बनाए और उसे 163 रनों की बड़ी लीड मिली। डीन एल्गर ने 287 गेंदों का सामना करते हुए 185 रन बनाए, जिसमें 28 चौके शामिल रहे।

देश भर के विकलांग उद्यमियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की खरीद के लिए विधायिका संगीताबेन पाटिल द्वारा दस दिवसीय 'दिव्य कला मेला' का उद्घाटन किया गया

29 दिसंबर से 07 जनवरी तक दस दिनों तक खुला रहेगा दिव्य कला मेला

भारत सरकार और राज्य सरकार ने विकलांगों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की हैं: विधायक श्रीमती संगीताबेन पाटिल

सूरत।

देश भर के विकलांग उद्यमियों, कारीगरों के उत्पादों और हस्तशिल्पों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से विधायक श्रीमती संगीताबेन आज 10 दिवसीय दिव्य कला मेला-2023 का आयोजन एसएमसी पार्टी प्लॉट, उमरा पोस्ट स्टेशन, अठवालाइन्स के बगल में कर रही हैं। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा। इसका उद्घाटन पाटिल ने किया। यह मेला 07 जनवरी तक दस दिनों तक खुला रहेगा।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती संगीताबेन पाटिल ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार ने दिव्यांगों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की हैं। दिव्यांगों द्वारा उत्पादित उत्पादों की बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराने हेतु सरकारी मेलों का आयोजन किया गया है। इसलिए सूरतियों ने बड़ी संख्या में सामान खरीदने का अनुरोध किया। इस अवसर पर कनुभाई टेलर ने कहा कि प्रधानमंत्री दिव्यांगों के कल्याण के प्रति सदैव संवेदनशील रहे हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार के काम की सराहना की कि विकलांगों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बाजार तक पहुंच हो। उन्होंने इस बात की वकालत की कि सुरतीस को दिव्यांग उद्यमियों द्वारा उत्पादित सामान अधिक से अधिक खरीदना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर, उत्तर पूर्वी राज्यों सहित देश के 20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 100 से अधिक विकलांग कारीगर/कलाकार और उद्यमी अपने उत्पादों और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। घर की साज-सज्जा और जीवनशैली की वस्तुएं, कपड़े, स्टेशनरी, भोजन, जैविक उत्पाद, खिलौने, आभूषण, कलात्मक चित्र, पेंटिंग जैसी वस्तुएं मिलेंगी। दिव्यांग कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद खरीदना च्योकल फॉर लोकलज के नारे को साकार करते हुए दिव्यांग कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का अवसर है। इस मेले में 24 दिव्यांगों को 1 करोड़ 8 लाख रूपये का ऋण स्वीकृत किया गया। जिसमें से नौ दिव्यांगजनों को प्रतीक चिन्ह के रूप में ऋण स्वीकृति पत्र दिये गये। अलीम कंपनी ने दिव्यांगों को वितरित किये कृत्रिम अंग। दस दिवसीय चंदिव्य कला मेलोज सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। दिव्यांग कलाकारों और प्रसिद्ध पेशेवरों के प्रदर्शन सहित कई सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में पर्यटक देश के विभिन्न क्षेत्रों से अपने पसंदीदा भोजन का आनंद भी ले सकते हैं।

इस अवसर पर एनडीएफसी के मुख्य प्रबंध निदेशक नवीन शाह, बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक के सहायक प्रबंधक श्री वीएम बोर्डिया, जीएसएसएफडीसी की अनिलाबेन पिपलिया और बड़ी संख्या में दिव्यांग छात्र उपस्थित थे।

- 24 दिव्यांगजनों को 1 करोड़ रूपये की ऋण सहायता स्वीकृत की गई
- जिले के दिव्यांगजनों को ऋण सहायता वाउचर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदान किये गये
- सूरतियों से दिव्यांगों द्वारा निर्मित सामान खरीदने का आग्रह किया

पांच दिनों में बिहार के 42 युवाओं ने सूरत की संस्कृति, खान-पान को साझा किया और एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को सार्थक बनाया

सूरत। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में आईआईआईटी-सूरत और आईआईएम-बिहार की संयुक्त पहल 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के तहत भारत के राज्यों के बीच राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए अतिथि थे। 'युवा संगम-3' कार्यक्रम के अवसर पर सूरत के। बिहार के 4 संकाय और 42 युवा प्रतिनिधियों ने आपसी बातचीत के माध्यम से सूरत की संस्कृति, पर्यटन, प्रौद्योगिकी, नवीन अनुभव का अवलोकन करने के लिए पांच दिनों के दौरान 46 मेहमानों से मुलाकात की।

'युवा संगम' का समापन समारोह आज वराछा सरदार स्मृति भवन में शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा, एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत बिहार और गुजरात की आज दूसरी बार मुलाकात हुई है। युवाओं में संस्कृति एवं परंपरा के आदान-प्रदान से भारत देश की एकता मजबूत होगी। उपस्थित विद्यालय के विद्यार्थियों से अनुरोध किया गया कि वे स्वयं को भौतिक रूप से नहीं बल्कि ज्ञान से समृद्ध करें। उन्होंने किसी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने और उसे हासिल करने के लिए अथक प्रयास करने की वकालत की।

इस युवा संगम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के आदान-प्रदान के माध्यम से लोगों के बीच संबंध को मजबूत करना और एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को सार्थक बनाने के लिए देश भर में युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करना है।

युवा संगम-तीसरे चरण के समारोह के पांच दिनों के दौरान, युवाओं ने सूरत के ऐतिहासिक किले, सूरत नगर निगम द्वारा संचालित आईसीसीसी केंद्र, डायमंड कंपनियों, सुमुल डेयरी प्लांट, एपीएमसी सरदार मार्केट, डुमास बीच, कपड़ा उद्योग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। केवड़िया, गुजरात विधानसभा, राजभवन ने लिया था।

इस कार्यक्रम में गुजरात की झलक दिखाने वाली सांस्कृतिक कृतियां सभी ने देखीं।

इस अवसर पर ईबीएसबी सलाहकार श्री सुरेंद्र नायक, नोडल अधिकारी श्रद्धा पटेल, राहुल पटेल, डॉ. विजय राडडिया, डॉ. प्रदीप रॉय, बिहार से फैकल्टी को-ऑर्डिनेटर सर्वे दिव्या शर्मा, डॉ. रचना विश्वकर्मा, डॉ. विशाल वानखेड़े, नरेंद्रभाई पाटिल और प्रोफेसर रवीश सहित आईआईआईटी सूरत के कर्मचारी उपस्थित थे।

मांडवी तालुक के अंबागांव में जनजातीय विकास राज्यमंत्री कुंवरजी हलपति की अध्यक्षता में भारत संकल्प यात्रा आयोजित की गई

सूरत। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाने की मंशा से राज्य मंत्री की अध्यक्षता में मांडवी तालुका के अंबा गांव में %विकित भारत संकल्प यात्रा% का आयोजन किया गया. जनजातीय विकास के लिए श्री कुँवरजीभाई हलपति। संकल्प यात्रा रथ का भव्य स्वागत किया गया और विकसित भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया गया. ग्रामीण, आदिवासी तालुकाओं में सरकारी योजना के स्टालों ने नागरिकों को केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ नए लाभार्थियों के पंजीकरण के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर जनजातीय विकास मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव आदिवासियों के हित को प्राथमिकता दी है। सरकार ने आदिवासियों के समग्र उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की हैं। लाखों आदिवासी भाई इसका लाभ उठा रहे हैं, सरकार आदिवासी बेटे-बेटियों को विदेश में पढ़ाई के लिए 15 लाख की ऋण सहायता, डॉक्टर बनने के लिए आर्थिक सहायता, पायलट बनने के लिए 25 लाख की ऋण सहायता 4 की मामूली ब्याज दर पर देती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार विकास भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की जनोन्मुखी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित है। विकसित भारत यात्रा योजना लाभ से वंचित नागरिकों को लाभान्वित करने का माध्यम बन गयी है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 10 लाख तक कैशलेस स्वास्थ्य उपचार की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। यह उल्लेख करते हुए कि सूरत जिले में सिकल सेल एनीमिया रोगियों को 40,000 रुपये की सहायता दी जा रही है, मंत्री ने विचार व्यक्त किया कि सरकार हमेशा बाहरी इलाके के गरीबों, मध्यम वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए प्रयास कर रही है और सभी से इसका पूरा लाभ उठाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भवानीबेन पटेल ने कहा कि विकास भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गरीब मध्यम वर्ग के लोगों को उनके घर तक योजनाओं का लाभ दिलाना भी एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। ग्रामीण-गरीब मध्यमवर्गीय परिधीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के नाम पर 22 आदिवासी योजनाओं का लाभ दिलाने का अभियान शुरू किया गया है।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री महुवा में 36.97 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जिले की 23 नहरों के आधुनिकीकरण कार्यों का उद्घाटन करेंगे

सूरत।

नर्मदा, जल संसाधन, जल आपूर्ति एवं कल्पसर विभाग, गांधीनगर कल दिनांक 30/12/2023 को दोपहर 1.00 बजे उकाई-काकरापार योजना के तहत महुवा तालुक के दिवाली बा कॉलेज ग्राउंड में 36.97 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सूरत जिले, कामरेज, बारडोली, महुवा, पलसाना, चोरयासी, मांडवी और मंगरोल तालुका के 23 नहर आधुनिकीकरण कार्य वन और पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल और आदिवासी विकास राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की उपस्थिति में पूरे किए जाएंगे। इस समारोह में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष मौजूद रहेंगे।

इन कार्यों के तहत नहर के मौजूदा बुनियादी ढांचे के कार्यों में सुधार करके पानी के रिसाव, रिसाव को रोका जाएगा। सुदूरवर्ती क्षेत्रों में किसानों को पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्ध होगा और पानी की बचत होगी। जिले की लगभग 17700 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी।

सूरत में सेलिब्रिटी बॉक्स क्रिकेट लीग का आयोजन

सुरत भूमि, सूरत। सूरत सेलिब्रिटी बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन-4 का आयोजन लगातार चौथे साल सूरत में व्हाइट टाइगर प्रोडक्शन हाउस और पीटी फिल्म्स द्वारा आरडीएक्स द-डिस्क राहुल राज मॉल में किया गया है। देश भर से सोशल मीडिया इन्फ्लूएंजर सूरत में एकत्र हो रहे हैं और चार दिवसीय लीग की शानदार शुरुआत हो गई है। एससीबीसीएल के संस्थापक प्रवेश ठाकुर ने कहा कि पूरे भारत से अधिक से अधिक अच्छे इन्फ्लूएंजर हमारे साथ जुड़े और अच्छे ब्रांड भी हमारे साथ जुड़ी रहे व राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय ब्रांड भी हमारे साथ जुड़े हैं और इसके माध्यम से हम इस इवेंट को बड़े पैमाने पर ले जा सकते हैं। यहीं एससीबीसीएल द्वारा आयोजित इवेंट का मुख्य उद्देश्य है। इवेंट मैनेजर शाकिर सेलोत ने कहा कि एससीबीसीएल एक लोकप्रिय इवेंट बनता जा रहा है। इस क्रिकेट लीग के जरिए देशभर के क्रिएटर्स को एक मंच मिलता है और स्थानीय ब्रांड भी उनसे जुड़ते हैं। इसलिए ब्रांड और निर्माता दोनों एक- दूसरे के कनेक्शन से लाभान्वित होते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)